छ.ग. राज्य विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

संकल्प

मार्च-अप्रैल 2014 ■ वर्ष-10

RAIPUR (C.G.)

EYE ON DEVELOPMENT OF CHHATTISGARH

छ.ग. विद्युत कं. मर्या. की गृह पत्रिका

संकल्प

मार्च-अप्रैल 2014 ▪ वर्ष-10

संरक्षक

- **श्री शिवराज सिंह**
  अध्यक्ष
- **श्री सुबोध सिंह**
  प्रबंध निदेशक (वितरण / ट्रेडिंग कं. मर्या.)
- **श्री जनार्दन कर**
  प्रबंध निदेशक (उत्पादन कं. मर्या.)
- **श्री विजय सिंह**
  प्रबंध निदेशक (पारेषण कं. मर्या.)
- **श्री अनूप कुमार गर्ग**
  प्रबंध निदेशक (होल्डिंग कं. मर्या.)
- **श्री पी.के. अग्रवाल**
  कार्यपालक निदेशक (मा.सं.)
- **श्री ओ.पी. खंडेलवाल**
  अति. महाप्रबंधक (मा.सं.)

संपादक

- **श्री विजय कुमार मिश्रा**
  उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क)

सहयोग

- **श्री जाबीर मोहम्मद कुरेशी**

छायाकार

- **श्री संजय टेम्बे**

पता :

संपादक : संकल्प
उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क)
छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कं. मर्या.
डंगनिया रायपुर, छत्तीसगढ़
e-mail : vijay.mishra361@gmail.com

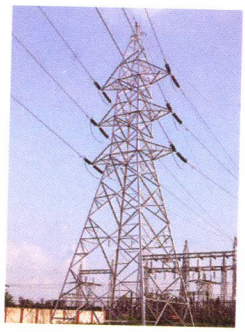
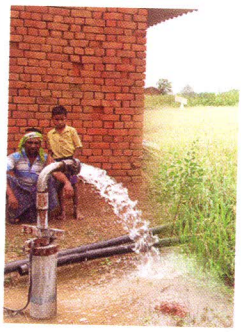

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कम्पनी मर्यादित

प्रदेश में विद्युत प्रगति का पटल

	नवंबर 2000	मार्च 2014
ताप विद्युत क्षमता	1240 मेगावॉट	2286 मेगावॉट
जल विद्युत क्षमता	120 मेगावॉट	138.70 मेगावॉट
कुल ताप, जल विद्युत क्षमता	1360 मेगावॉट	2424.76 मेगावॉट
क्षमता वृद्धि	..... मेगावॉट	1064.70 मेगावॉट
अति उच्चदाब केंद्रों की संख्या	27 नग	83 नग
अति उच्चदाब लाइनों की संख्या	5205 सर्किट कि.मी.	10058 सर्किट कि.मी.
33/11 के.व्ही. उपकेंद्रों की संख्या	248 नग	884 नग
33 के.व्ही. लाइनों की लंबाई	6988 सर्किट कि.मी.	17147 सर्किट कि.मी.
11/04 के.व्ह. उपकेंद्रों की संख्या	29692 नग	93718 नग
11 के.व्ही. लइनों की लंबाई	40556 कि.मी.	81300 कि.मी.
निम्नदाब लाइनों की लंबाई	51314 कि.मी.	144017 कि.मी.
केपेसिटर स्थापित	94 एमव्हीआर	935 एमव्हीआर
कुल आबाद ग्रामों की संख्या (जनगणना 2011 के अनुसार)	-	19567
विद्युतीकृत ग्रामों की संख्या	17682	19055
विद्युतीकरण का प्रतिशत	91.00	97.38
विद्युतीकृत मजराटोलो की संख्या	10375	25001
विद्युतीकृत पंपों की संख्या	72400	336278
एकलबत्ती कनेक्शन	630389	1553044

संपादकीय

दीप-दर्पण

दुनिया में हर व्यक्ति अपने कार्य में सफल हो सकता है, बशर्ते वह अपने प्रगति के पथ पर आड़े बाधक तत्व को पहचान ले। सफलता के शीर्ष पर पहुंचे विद्वजनों का मानना है कि दुनिया में केवल एक ही व्यक्ति आपकी तरक्की को रोक सकता है, आपको सीमाओं में बांध सकता है। अगर आप उसे प्रत्यक्ष देखना चाहते हैं तो दर्पण के सामने खड़े हो जाएं।

सच्चाई को उजागर करने की बात जब जब छिड़ती है तो लोग दर्पण का उदाहरण देते हैं। दर्पण छोटा हो या बड़ा उसमें यह गुण विद्यमान होता है कि वह अपने सामने आने वाले हरेक व्यक्ति -वस्तु के वास्तविक स्वरूप को प्रदर्शित कर देता है। यही वजह से यह कहावत प्रचलित है कि दर्पण कभी झूठ नहीं बोलता ।

दर्पण की कर्त्तव्यनिष्ठा संदेश देती है कि सच्चाई को दिखाना, सच्चाई को कहने की शक्ति रखना ऐसे गुण है जिनसे विभूषितजन कभी कठिन मार्ग पर भी विचलित नहीं होते। इसे व्यक्त करते हुये दर्पण अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में सतत जुटा रहता है। टूटने के बाद भी वह अपने कर्त्तव्य से विमुख नहीं होता। इस संबंध में लिखा गया है- ''टूटकर भी फर्ज अपना निभाता रहा दर्पण, टुकड़े टुकड़े में चेहरा दिखाता रहा दर्पण''। दर्पण का यह अटूट गुण पूरी संजीदगी से सकारात्मक सोच को निरंतर बनाये रखने के लिए भी प्रेरित करता है।

दर्पण के साथ एक सच्चाई यह भी जुड़ी हुई है कि सदा सच्चे स्वरूप को उजागर करने हेतु अपना फर्ज निभाने में अनवरत् जुटा दर्पण स्वयं को अंधकार में असहाय पाता है। ऐसे समय में अंधकार में डूबे दर्पण को प्रकाश की नितान्त आवश्यकता होती है। प्रकाश चाहे वह मिट्टी के दीपक का हो अथवा विभिन्न ऊर्जा जनित बिजली का, दर्पण के गुण को अंधेरे में भी ये प्रकट करते हैं। गर्व का विषय है कि ऐसी बिजली के जनक विद्युत कर्मी छत्तीसगढ़ को विद्युत के मामलें में आत्मनिर्भर बनाये हुए हैं। वे दर्पण सदृश्य प्रदेश की छवि को राष्ट्रीय स्तर पर उजागर कर रहे हैं।

नये विद्युत गृहों, नई लाईनों, उपकेन्द्रों के निर्माण के साथ ही उन्हें सतत् क्रियाशील कर रहे कर्मियों के लिए शायर अली सज्जाद जी की शायरी सटीक बैठती है- काम औरों के जो आए काम का है आदमी, जी ले जो खुद के लिए बस नाम का है आदमी, गम जमाने का जो बांटे, बांटकर अपनी खुशी, है जमाने के लिए अनमोल वो आदमी।

दुनिया में हर व्यक्ति अपने कार्य में सफल हो सकता है, बशर्ते वह अपने प्रगति के पथ पर आड़े बाधक तत्व को पहचान ले। सफलता के शीर्ष पर पहुंचे विद्वजनों का मानना है कि दुनिया में केवल एक ही व्यक्ति आपकी तरक्की को रोक सकता है, आपको सीमाओं में बांध सकता है। अगर आप उसे प्रत्यक्ष देखना चाहते हैं तो दर्पण के सामने खड़े हो जाएं। सच ही है व्यक्ति अपनी कमजोरियों को पहचान लें, स्वयं को आत्मविश्वास से भर ले तो भला कोई दूसरा उसे आगे बढ़ने से कैसे रोक सकता है। जन जन को अंधेरे से उजाले की ओर ले जाते हुए प्रगति करने जुटे जन हर सुबह की शुरूआत दर्पण देखने के साथ करें । दर्पण की आवाज सुने-

A Mountain is not Higher than Your Confidence,
Because it will be under your feet when you reach the Top.

(विजय मिश्रा)

प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने छत्तीसगढ़ में विद्युत से हो रहे विकास पर चर्चा करते हुए सदन में बीते माह कहा कि प्रदेश में जहां हमारी विद्युत उत्पादन क्षमता लगातार बढ़ रही है, वहीं विगत ग्यारह वर्षों में बिजली की प्रति व्यक्ति वार्षिक खपत में भी एक बड़ा चमत्कार हुआ है।

विद्युत से विकास का चमत्कारी गाथा गढ़ता छत्तीसगढ़

यह खपत पांच सौ यूनिट से बढ़कर तिगुनी से ज्यादा यानी 1600 यूनिट तक पहुंच गई है। गोवा और गुजरात के बाद छत्तीसगढ़ देश का ऐसा राज्य है, जहां प्रति व्यक्ति बिजली की औसत वार्षिक खपत इतनी अधिक है। यह विद्युत से विकास के चमत्कारी गाथा गढ़ते छत्तीसगढ़ की प्रभावी गाथा है।

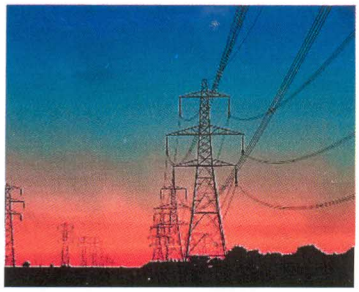

मान. मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार की ताप बिजली उत्पादन क्षमता विगत ग्यारह वर्षों में 1380 मेगावाट से बढ़कर 2424 मेगावाट तक पहुंच गई है। दसवीं पंचवर्षीय योजना में 250 मेगावाट की दो इकाईयों से बिजली का उत्पादन शुरू होने पर हमारी ताप बिजली उत्पादन क्षमता 1880 मेगावाट और कुल क्षमता 1924 मेगावाट पहुंच गई।

मान. मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार का आगामी वित्तीय वर्ष 2014-15 का बजट हमारे ग्यारहवें साल का बजट होगा। यह जनता के विश्वास की एक मजबूत बुनियाद पर विकास की बुलंद इमारत खड़ी करने का मजबूत आधार बनेगा। भारतीय रिजर्व बैंक सहित केन्द्र सरकार के मंत्रालयों ने हमारे कार्यो का मूल्यांकन कर कसौटी पर कसा है और छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है। आगे मान. मुख्यमंत्री जी ने सिचाई पंपो में हुई अभूतपूर्व वृद्धि का आंकड़ा प्रस्तुत करते हुए कहा कि ग्यारह वर्ष पहले सिचाई पंपों के लिए केवल 12 से 14 घंटे बिजली मिलती थी, अब चौबीसों घंटे मिल रही है। इस अवधि में सिंचाई पंप कनेक्शनों की संख्या 87 हजार से बढ़कर तीन लाख दस हजार तक पहुंच गई है। यानी इसमें 256 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

राजभाषा संस्थान के दीप दर्पण अवार्ड से पॉवर कंपनी अलंकृत

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी की हिन्दी विकास विषयक गतिविधियों को उत्कृष्टता का दर्जा देते हुये राजभाषा संस्थान नई दिल्ली द्वारा कार्यालय "दीप दर्पण अवार्ड" से अंलकृत किया गया। कंपनी के उपमहाप्रबंधक (जनसम्पर्क) श्री विजय कुमार मिश्रा ने यह अवार्ड जिम कार्बेट नेशनल पार्क नैनिताल (उत्तराखण्ड) में ग्रहण किया। राजभाषा संस्थान के द्वारा यहॉ आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में पॉवर कंपनी की ओर से श्री मिश्रा प्रतिभागी थे। राष्ट्रीय स्तर पर अर्जित इस उपलब्धि के लिये पॉवर कम्पनी के अध्यक्ष श्री शिवराज सिंह, होल्डिंग कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री ए.के. गर्ग सहित अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों ने श्री मिश्रा को बधाई एवं शुभकामनायें दी।

राजभाषा संस्थान के कार्यशाला में देशभर के 11 राज्यों से विभिन्न संस्थानों सेवारत 52 अधिकारियों ने अपनी प्रतिभागिता दी। छत्तीसगढ़ कंपनी का प्रतिनिधित्व करते हुये इस कार्यशाला में श्री विजय मिश्रा ने पॉवर कंपनी की गृह पत्रिका "संकल्प" सहित अन्य प्रकाशनों को प्रस्तुत किया। साथ ही त्रिदिवसीय संगोष्ठी के दौरान आज के बदलते परिवेश में राजभाषा हिन्दी की महत्ता, संवाद कौशल कार्यशाला संचालन, तनाव प्रबंधन जैसे विषयों पर विचार व्यक्त कर "दीप दर्पण अवार्ड" अर्जित किया।

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ डॉ. महेन्द्र चन्द्र गुप्त श्री गोपेश गोस्वामी एवं राजभाषा संस्थान के

मुख्य कार्यपालक श्री सुधीश कंसल द्वारा प्रतिभागियों को व्याख्यान दिया गया। कार्यशाला में पॉवर ग्रिड कार्पोरेशन आफ इंडिया, एनएचपीसी, एम्स, हिन्दुस्तान ऐरो नाटिक्स, स्पाइसेस बोर्ड, भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय, आयकर समझौता आयोगा, ओएनजीसी, लोकसभा सचिवालय, गेल प्रशिक्षण संस्थान, आईल इंडिया लिमिटेड जैसे संस्थानों के अधिकारी शामिल हुये।

1912 पर दर्ज होंगी विद्युत संबंधित शिकायतें

विद्युत संबंधित शिकायतों को दर्ज करने तथा उनके शीघ्र निराकरण हेतु छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित द्वारा प्रारंभ किये गये केन्द्रीकृत कॉल सेन्टर से संपर्क करने हेतु आसानी से याद रहने वाला नया नम्बर 1912 प्रदान किया गया है। पूर्व में कॉल सेंटर का नंबर 0771-2576010 था, अब उपभोक्ता 1912 डायल कर विद्युत प्रदाय/बिल संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत किसी भी समय केन्द्रीकृत काल सेंटर में दर्ज करा सकते हैं।

वेतन सलाहकार समिति का गठन

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनियों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के वेतन पुनरीक्षण हेतु वेतन सलाहकार समिति का गठन किया गया। समिति के अध्यक्ष श्री एस.के. मिश्रा आईएएस (सेवानिवृत्त) तथा छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग के पूर्व सदस्य श्री शरत चन्द्र समिति के सदस्य बनाये गये हैं। विद्युत कर्मियों हेतु 01 अप्रेल 2014 से लागू नये वेतनमान के संबंध में समिति छः माह के भीतर अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी। वेतन सलाहकार समिति का गठन पॉवर होल्डिंग कंपनी के महाप्रबंधक(मानव संसाधन) के आदेश क्र. 646 दिनांक 02.03.14 से जारी किया गया है।

वेतन सलाहकार समिति द्वारा अधिकारियों/कर्मचारियों, श्रमिक संगठनों एवं संघो से वेतन एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में लिखित में सुझाव आमंत्रित किये गये हैं। लिखित में सुझाव वेतन पुनरीक्षण प्रकोष्ठ के संयोजक, पॉवर होल्डिंग कंपनी के अतिरिक्त महाप्रबंधक(मानव संसाधन) श्री अजय श्रीवास्तव को प्रेषित कर सकते हैं।

पॉवर कंपनी के श्री अग्रवाल को विश्व बिजिनेस सिमुलेशन चैलेंज में चतुर्थ स्थान

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी में पदस्थ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर श्री विनोद अग्रवाल को विश्व बिजिनेस सिमुलेशन चैलेंज प्रतियोगिता में चौथा स्थान हासिल करने का गौरव प्राप्त हुआ। इस प्रतियोगिता के फाइनल राउण्ड में भारत भर के अनेक उच्च शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुये श्री अग्रवाल ने अंतिम प्रवीण्य सूची में चौथा स्थान अर्जित कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर में "पोस्ट ग्रेज्युएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट फार वर्किंग प्रोफेशनल" का कोर्स कर रहे श्री अग्रवाल ने इस बारे में बताया कि केप्सिम, शिकागो द्वारा विश्व बिजिनेस सिमुलेशन प्रतियोगिता ऑनलाइन आयोजित की गई थी। इसमें अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, हॉगकांग, यूरोप, चीन जैसे 36 देशों के 253 उच्च शैक्षणिक संस्थाओं व यूनिवर्सिटी से 1760 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। भारत की ओर से इस प्रतियोगिता में भारतीय प्रबंध संस्थान (आई.आई.एम.) रायपुर, बैंगलोर, अहमदाबाद,रांची आदि उच्च शैक्षणिक संस्थाओं के छात्रों ने भी भाग लिया था।

प्रतियोगिता के संबंध में उन्होंने बताया कि फाईनल राउण्ड 48 घंटों का था, जिसमें हाई प्रेसर 6 राउण्ड 1-1 घंटे के अंतराल में (रात्रि 10:30 से सुबह 04:30 बजे तक) आयोजित किए गए थे। इससे विषम परिस्थितियों में भी बिजिनेस से संबंधित सभी विषयों जैसे स्ट्रेटजी, मार्केटिंग, फाईनेंस एवं संचालन के संबंध में त्वरित एवं सटीक निर्णय लिए जाने की छात्राओं की क्षमता का आंकलन किया गया।

श्री अग्रवाल ने बताया कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने से भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर में प्राप्त ज्ञान का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तुलनात्मक आंकलन करना संभव हो सका तथा बिजिनेस प्रमुख के रूप में कार्य करने हेतु आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है।

बिजली बिल भुगतान हेतु प्रदेश में अनेक नई सुविधाओं की शुरुआत

छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिजली बिल जमा करने हेतु शीघ्र ही अनेक नई सुविधायें प्रारंभ की जा रही हैं। प्रदेश इतिहास में पहली बार आरंभ होने वाली ऐसी सुविधायें उपभोक्ताओं के लिए बहुपयोगी सिद्ध होगी। ऐसी अत्याधुनिक सुविधाओं में ई.सी.एस. (इलेक्ट्रानिक क्लीयरिंग सर्विस) आर.टी.जी.एस. (रियल टाईम ग्रास सेटलमेंट)- एन.ई.एफ.टी. (नेशनल इलेक्ट्रिानिक फण्ड ट्रांसफर) एवं मोबाईल के माध्यम से विद्युत बिलों का भुगतान किया जाना शामिल है। प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की मंशा के मुताबिक सस्ती और सहजता से सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति करने वितरण कंपनी ने नई तकनीकी को भी अमल में लाया है। कंपनी की ऐसी कोशिश है कि उपभोक्तागण घर बैठे सहजतापूर्वक देयकों का भुगतान कर सकें। वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री सुबोध सिंह ने बताया कि उपभोक्तागण विद्युत बिलों के भुगतान करने के लिये बिल काउण्टरों में लम्बी कतारों से बचकर आसान उपायों को अपनाकर सहजता के साथ बिजली बिलों का भुगतान कर सकते हैं। स्मार्ट फोन के माध्यम से बिलों के भुगतान हेतु वितरण कंपनी द्वारा अभिनव पहल करते हुये ''एप्स'' विकसित किया जा रहा है। इसमें बिजली बिलों का भुगतान स्मार्ट फोन के माध्यम से सभी नेटवर्क सर्विस प्रोवाइडर के जरिये आसानी से किया जा सकेगा।

बिजली बिल भुगतान करने हेतु आरंभ होने वाली नई सुविधा में शामिल आर.टी.जी.एस. एवं एन.ई.एफ.टी. का लाभ लेने हेतु उपभोक्ताओं को अपने क्षेत्र से संबंधित विद्युत कार्यालय एवं संबंधित बैंक में रजिस्ट्रेशन करवाना आवश्यक होगा। ऐसे उपभोक्ताओं को एक यूनिक नंबर प्रदान किया जायेगा जिसके माध्यम से उपभोक्ता द्वारा विद्युत बिलों का भुगतान किया जा सकेगा। इसी तरह ईसीएस के माध्यम से बिल भुगतान करने के लिये उपभोक्ता को संबंधित बैंक से ईसीएस फार्म में अपने खाते क्रमांक को पुष्टि करवाकर विद्युत मण्डल कार्यालय में फार्म जमा कराते हुये रजिस्ट्रेशन करना होगा। रजिस्ट्रेशन के दौरान उपभोक्ताओं को अपने विद्युत बिल के भुगतान की राशि की सीमा भी बतानी होगी। ऐसे रजिस्टर्ड उपभोक्ताओं का बिजली बिल उनके द्वारा बताई गई सीमा राशि के बराबर या उससे कम होगा तो उपरोक्त राशि का भुगतान उपभोक्ता के बैंक खाते से कंपनी के बैंक खाते में हस्तांतरित हो जायेगा।

बिजली बिल जमा करने हेतु प्रारंभ की जा रही नई सुविधाओं के अलावा सभी निम्नदाब उपभोक्ताओं के लिये इंटरनेट बैंकिंग, डेबिट-क्रेडिट कार्ड की सुविधा भी दी गई है। इसके माध्यम से उपभोक्तागण घर बैठे बिजली बिलों का भुगतान कर रहे हैं। इस हेतु उपभोक्ताओं को इंटरनेट बैंकिंग का यूजर आईडी एवं पासवर्ड प्राप्त करना आवश्यक है। इसके उपरांत विद्युत वितरण कंपनी की वेबसाइड डब्लूडब्लूडब्लू डाट सीएसपीडीसीएल डाट सीओ डाट आईएन का उपयोग करना होगा। कंपनी की वेबसाइट पर जाकर उपभोक्ताओं को अपना उपभोक्ता क्रमांक बी.पी.नंबर (सर्विस नंबर) को दर्ज करना पड़ेगा। यह सभी उपभोक्ताओं के बिजली बिल पर 10 अंकों में दर्ज होता है। इसके बाद बैंक का यूजर आई डी एवं पासवर्ड दर्ज करने से विद्युत बिलों का भुगतान करके इसकी पॉवती प्राप्त की जा सकेगी। इंटरनेट बैंकिग से बिजली बिलों के भुगतान की सुविधा 36 बैंकों के माध्यम से प्रदान की गई है।

जगदलपुर क्षेत्र की वार्षिक समीक्षा बैठक

छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी के जगदलपुर क्षेत्र की वार्षिक समीक्षा बैठक कंपनी के क्षेत्रीय मुख्यालय में हुई। इस दौरान मुख्य अभियंता ने बैठक में शामिल अधिकारियों को उपभोक्ता सेवा संतोष में वृद्धि लाने पर बल दिया गया। उन्होंने कहा कि विद्युत प्रणालियों की रख-रखाव, उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित निदान सहित विद्युत विकास की कार्यो में तेजी लाने के साथ ही बकायादारों पर सख्ती से वसूली करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

बैठक में संभागभर से आए कंपनी के अधिकारियों ने मुख्य अभियंता को अपने-अपने क्षेत्र में बिजली व्यवस्था की जानकारी देते हुए कार्य में आने वाली समस्याओं से भी अवगत कराया। मुख्य अभियंता श्री त्रिपाठी ने बैठक में उपस्थित संभाग के समस्त अधिकारियों से क्षेत्र में चल रहे विद्युतीकरण के कार्य, वसूली अभियान, लाइन लॉस, विजिलेंस की कार्रवाई ट्रांसफार्मरों की मांग, मेंटनेंस सहित समस्त कार्यो की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने अधिकारियों को क्षेत्र के उपभोक्ताओं के पास स्वयं जाकर उनकी समस्याएं सुनने व मेंटनेंस व विद्युतीकरण के चल रहे कार्यो का मौके पर जाकर निरीक्षण करने को कहा।

बैठक में बीजापुर, किरंदुल से लेकर कांकेर तक से आए कंपनी के अधिकारियों ने गर्मी के कारण हो रहे लाइन लॉस के संबंध में अवगत कराया। इस दौरान श्री त्रिपाठी ने विद्युत चोरी रोकने तथा वैध कनेक्शन को बढ़ावा देने की दृष्टि से वैवाहिक समारोह तथा अन्य बड़े सामाजिक सांस्कृतिक समारोह के विद्युत कनेक्शनों पर विशेष ध्यान रखने की नसीहत दी। साथ ही बकाया बिजली बिल की वसूली के लिए टारगेट देकर लंबी अवधि के बकायादारों के कनेक्शन विच्छेद करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान कंपनी के विजिलेंस विभाग के अधिकारी, कार्यपालन, अधीक्षण यंत्री व अन्य अधिकारी मौजूद थे।

प्रदेश की पारेषण प्रणाली की विकास यात्रा...

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल ने 2001 में गठन के तत्काल बाद पारेषण प्रणाली को सुदृढ़ करने हेतु आतंरिक संसाधनों के अलावा केन्द्रीय शासन के वित्तीय साधनों से ऋण लेकर महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण किये हैं। विगत 13 वर्षों में पारेषण प्रणाली के उन्नयन हेतु अनेक कार्य संपादित किये गये हैं।

अति उच्चदाब के 1 नग नए 400/220 केव्ही उपकेन्द्र, 11 नग नए 220/132 केव्ही उपकेन्द्र तथा 44 नग 132/33 केव्ही उपकेन्द्रों के निर्माण के साथ उससे संबधित 889.08 सर्किट किमी 400 केव्ही, 1496.46 सर्किट किमी 220 केव्ही एवं 2245.62 सर्किट किमी 132 केव्ही लाईन का निर्माण पूर्ण किया गया है। इसके अतिरिक्त विद्युत पारेषण प्रणाली को रिएक्टिव लोड से बचाने 80 विद्यमान अतिउच्चदाब उपकेन्द्रों में 901 एमव्हीए आर क्षमता के कैपेसिटर बैंक की स्थापना की गई है। पारेषण क्षेत्र में किये गये कार्यों से वर्तमान में अतिउच्चदाब उपकेन्द्रों में स्थापित क्षमता 11826 एम.वी.ए. की हो चुकी है।

छत्तीसगढ़ राज्य गठन के उपरांत प्रथम बार 400 केवी के पारेषण प्रणाली को सुदृढ़ करने के क्रम में 400 केवी पारेषण लाईनों तथा रायपुर (रायता) में 400/220 केव्ही उपकेन्द्र का निर्माण कार्य पूर्ण कर दिनांक 25.03.2013 को ऊर्जीकृत किया गया एवं कोरबा तथा मड़वा ताप विद्युत गृह की उत्पादित विद्युत को पारेषण उपकेन्द्रों तक पहुंचाने के लिये कोरबा-खेंदामारा एवं मड़वा-रायता 400 केवी लाईनों को ऊर्जीकृत किया गया।

वित्तीय वर्ष 2013-14 में 1 नग 220/132 केवी उपकेन्द्र सरायपाली तथा 3 नग 132/33 केवी उपकेन्द्रों की स्थापना सांकरा, गंडई एवं कोण्डागॉव में की गयी है एवं पारेषण प्रणाली के विस्तार हेतु 54.1 सर्किट किमी 400 केवी, 113.55 सर्किट किमी 220 केवी एवं 119.38 सर्किट किमी 132 केवी लाईनों का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है। इसके साथ साथ अति उच्चदाब लाईनों का निर्माण कार्य जारी है। 2 नग 132/33 केवी उपकेन्द्रों सुकमा एवं रावणभाठा के निर्माण हेतु विभिन्न चरणों में प्रक्रिया जारी है।

वर्तमान में 4 नग 220/132 केवी उपकेन्द्र विश्रामपुर, मुंगेली, छुरी एवं गिरवानी एवं 8 नग 132/33 केवी उपकेन्द्रों प्रतापपुर, जैजेपुर, रतनपुर, कोनी (बिलासपुर) गरियाबंद, पथरिया, पुलगॉव एवं कसडोल का निर्माण तीव्र गति से चल रहा है। इसके साथ साथ अति उच्चदाब लाईनों का निर्माण कार्य जारी है। 2 नग 132/33 केवी उपकेन्द्रों सुकमा एवं रावणभाठा की टेंडर प्रक्रिया जारी है।

400 केवी रायता-जगदलपुर लाईन तथा 400 केवी उपकेन्द्र जगदलपुर के निर्माण का कार्य आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र बस्तर के चहुंमुखी विकास एवं एनएमडीसी नगरनार प्रोजेक्ट हेतु कार्य हाथ में लिया गया है। इसके अतिरिक्त पारेषण कंपनी द्वारा राज्य में 31 नग नए पारेषण उपकेन्द्र बनाये जा रहे हैं जिसमें लगभग 1350.92 करोड़ रूपये खर्च होने का अनुमान है।

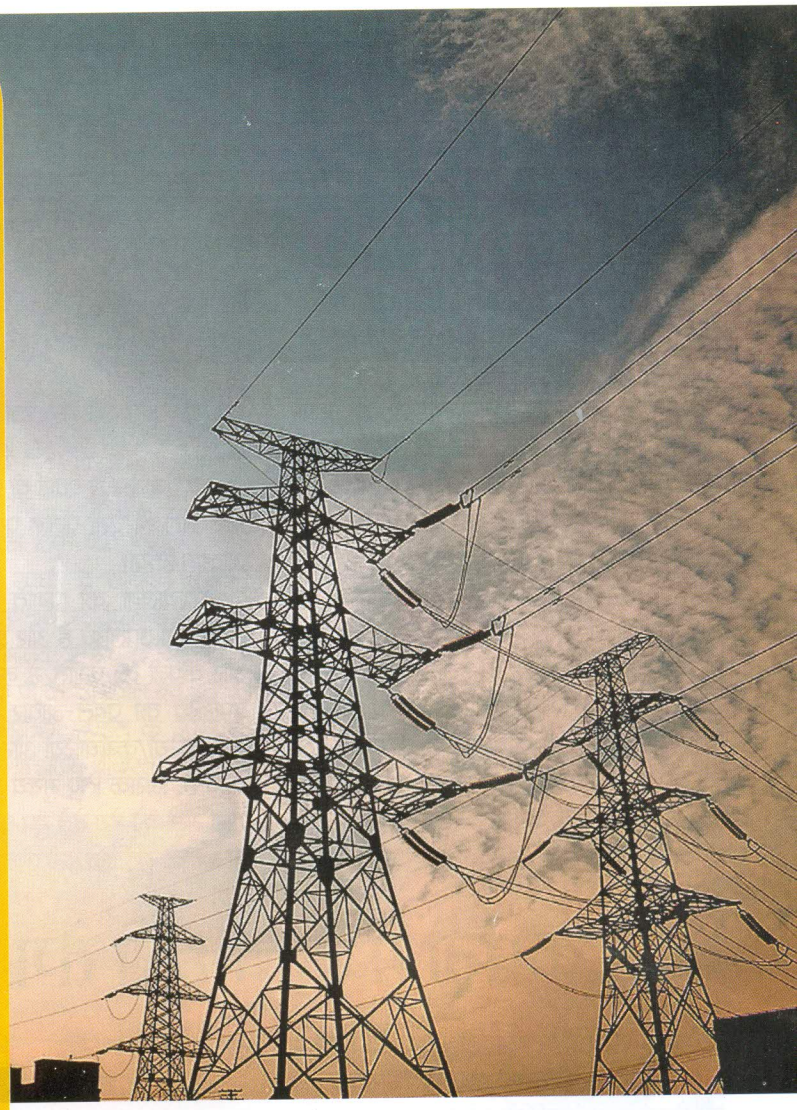

प्रेरक प्रसंग

एक बार की बात है, एक बंदर कुएं की मुंडेर पर धमाचौकड़ी मचा रहा था, उस वक्त रात हो चुकी थी और कुएं के पानी में चंद्रमा का प्रतिबिंब झांक रहा था। बंदर ने जब उसे देखा तो घबराकर अपने साथियों के पास आया और बोला कि एक बुरी खबर है। सबने उससे पूछा कि क्या हुआ तो उसने बताया कि चांद कुएं में गिर गया है। उसकी बात सुनकर बाकी के बंदर भी घबरा गये और उसके साथ भागकर कुएं पर आए। सबने नीचे झांका और बोले कि हां, बात तो सही है लेकिन अब इससे पहले कि यह कुएं में डूबकर मर जाए, हमें इसे कुएं से निकालने की कोशिश करनी चाहिये। कुएं के पास एक विशाल पेड़ था। एक बंदर ने कहा कि हम सब एक-दूसरे को पकड़कर इस डाल में लटक जाते हैं जो सबसे नीचे होगा, वह कुएं के पानी से चांद को निकाल लेगा। सबको उसकी बात जंच गई। एक बंदर ने पेड़ की डाल पकड़ी और लटक गया, दूसरा उसका पैर पकड़कर लटक गया, तीसरा दूसरे के पैर पकड़कर, इस तरह एक-एक करके वे लटकते गए और कुएं में जल की सतह तक जा पहुंचे। इसी बीच, उनके वजन से पेड़ की डाल टूट गई और वे सब कुएं में जा गिरे।

सार : साहस में समझदारी न हो तो वह घातक ही सिद्ध होता है.

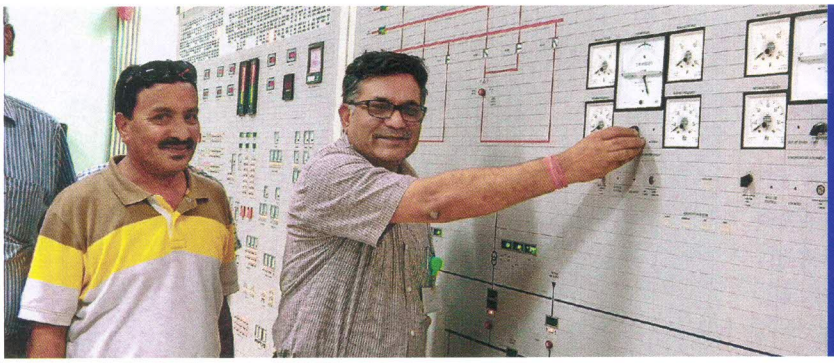

मड़वा ताप विद्युत परियोजना की पहली इकाई का कोयले से हुआ सफलतापूर्वक परीक्षण-विद्युत उत्पादन

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी की मड़वा-तेंदूभाठा ताप विद्युत परियोजना की पहली इकाई का कोल सिंक्रोनाइजेशन 30 मार्च 2014 को सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। नवनिर्मित 500 मेगावॉट क्षमता की इस इकाई का रात्रि 1.30 बजे कोल फायरिंग कर सिंक्रोनाइजेशन किया गया। यह छत्तीसगढ़ राज्य उपक्रम के पहले सुपर थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट की पहली इकाई है। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री ए.के.सिंह, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एस.पी.चेलक, श्री पी.पी.मोडक, बी.एच.ई.एल. की ओर से श्री पटनायक महाप्रबंधक, बी.जी.आर के श्री एस. सरकार क्षेत्रीय निर्माण प्रबंधक, एवं मड़वा परियोजना के वरिष्ठ अभियंतागण एवं अधिकारी उपस्थित रहे। इस सफलता को विद्युत कर्मियों के अनथक श्रम और टीमवर्क बताते हुये प्रबंध निदेशक श्री जनार्दन कर ने बधाई दी एवं शुभकामनाएं प्रेषित कर आगे भी ऐसी प्रगति पथ पर सतत बढ़ने का आव्हान किया।

परियोजना की प्रगति में यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इससे प्रदेश के विकास और कंपनी की प्रगति में नये सोपान जुड़े हैं। इस उपलब्धि का प्रबल आधार टीम भावना के साथ अधिकारियों/कर्मचारियों और श्रमिकों का सामुहिक कार्य है, जिसके लिए मुख्य अभियंता श्री ए.के.सिंह द्वारा सभी को श्रेय देते हुए धन्यवाद दिया गया और अपेक्षा की गई, कि इसी प्रकार परियोजना की युनिट क्रमांक-दो का सिक्रोनाईजेशन भी शीघ्र पूरा कर लिया जायेगा।

छत्तीसगढ़ राज्य बनने के उपरांत पहली बार राज्य पॉवर कंपनी द्वारा 500 मेगावॉट क्षमता की इकाईयों के निर्माण की शुरूआत की गई इसके तहत् कोरबा पश्चिम विस्तार परियोजना की 500 मेगावॉट क्षमता की इकाई को 16 सितम्बर 13 को क्रियाशील कर प्रदेश की जनता के नाम समर्पित किया गया। इसी दिशा में और आगे बढ़ते हुये 20 दिसम्बर 13 को मड़वा ताप विद्युत परियोजना की पहली इकाई का आईल सिंक्रोनाइजेशन किया गया था। इसी इकाई का अब कोयले के ताप से सिंक्रोनाईजेशन किया गया।

पॉवर कपंनी में हृदय-हड्डी रोग पर व्याख्यान माला सम्पन्न

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कम्पनी मुख्यालय डंगनिया परिसर स्थित महिला मंडल के सभाभवन में हृदय-हड्डी रोग पर व्याख्यान माला का आयोजन 18 मार्च 14 को किया गया। आदर्शिनी महिला मंडल के संयोजन में सम्पन्न हुये व्याख्यान माला में बालाजी चिकित्सालय के डॉ. एस.एम.मोहंती, पॉवर कंपनी के अति. मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. के.एस.छाबड़ा ने प्रभावी व्याख्यान दिया। इस अवसर पर पॉवर कंपनी के कार्यपालक निदेशक (एच.आर) श्री पी.के. अग्रवाल, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एच.एल. पंचारी, महिला मंडल की अध्यक्षाता श्रीमती किरण सिंह सहित बड़ी संख्या में महिला मंडल के सदस्य उपस्थित थे।

व्याख्यान माला में डॉ. मोहंती ने हृदय रोगों से बचने के लिए घी, तेल, मक्खन का कम उपयोग तथा हरी पत्तेदार सब्जी, प्रोटीन फाइबर युक्त खाद्य पदार्थो-फलों के अधिकाधिक सेवन को फायदेमंद बताया। उन्होंने नियमित व्यायाम करने, कोलेस्ट्राल-रक्त दबाव को नियंत्रित रखने पर भी बल दिया। इसी क्रम में डॉ. छाबड़ा ने हड्डी रोगों से बचने के लिए कैल्शियम, फास्फोरस युक्त खाद्य पदार्थो, हरी सब्जियों एवं सुबह की धूप के सेवन को अत्यंत उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि प्रकृति प्रदत्त निःशुल्क उपलब्ध सुबह की धूप में विटामिन डी भरपूर मात्रा में होती है, जिसके सेवन से शरीर को बहुमूल्य कैल्शियम की प्राप्ति होती है।

व्याख्यान माला के अंत में आदर्शिनी महिला मंडल की सचिव श्रीमती नीलम मेहता ने आभार प्रदर्शन किया। साथ ही अति. मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. ऊषा पिल्लई, प्रमिला वर्मा, ऊषा अग्रवाल, रश्मि सिंह, वंदना तेलंग, आभा शुक्ला आदि ने अपनी सक्रिय भागीदारी दी। व्याख्यान माला में शामिल चिकित्सकों की सेवा

की सराहना करते हुए महिला मंडल की ओर से इन्हें प्रतिकात्मक भेंट देकर सम्मानित किया गया।

अंतरक्षेत्रीय विद्युत हॉकी स्पर्धा का सफल आयोजन

रायपुर छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी क्रीड़ा एवं कला परिषद के द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतरक्षेत्रीय हॉकी स्पर्धा का 27 मार्च 14 को शुभारंभ हुआ। स्पर्धा के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि पॉवर होल्डिंग कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री ए.के. गर्ग तथा विशिष्ट अतिथि कार्यपालक निदेशक द्वय सर्वश्री आर.के. मेहता एवं एम.एस.चौहान, क्षेत्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के सचिव एवं मुख्य अभियंता श्री डी.के.भालेराव थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री गर्ग सहित अन्य विशिष्टजनों ने जीवन में खेल भावनाओं और खेलों की महत्ता को प्रतिपादित कर समस्त खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। खेल सचिव श्री पी.के.खरे ने स्पर्धा का प्रतिवेदन प्रस्तुत कर बताया कि राजकुमार कालेज के मैदान पर 27 से 29 मार्च तक आयोजित हॉकी प्रतियोगिता में रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, राजनांदगांव की टीमें शामिल होंगी। रायपुर सेंट्रल टीम के ऑब्जर्वर शाहनवाज सुल्तान द्वारा खिलाड़ियों को शपथ दिलाई गई

हॉकी स्पर्धा में कोरबा पूर्व की टीम को विजेता तथा कोरबा पश्चिम की टीम को उपविजेता होने का गौरव प्राप्त हुआ। स्पर्धा के समापन-पुरस्कार वितरण समारोह के अतिथि कार्यपालक निदेशक श्री एम.एस.चौहान, मानव संसाधन विभाग के कार्यपालक निदेशक श्री पी.के. अग्रवाल एवं अखिल भारतीय विद्युत खेल नियंत्रण मण्डल के उपाध्यक्ष-अतिरिक्त महाप्रबंधक श्री अजय श्रीवास्तव ने विजयी खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। अतिथियों ने राष्ट्रीय स्तर पर खेल जगत में पॉवर कंपनी की विशेष पहचान बनाने हेतु नई प्रतिभाओं को आगे लाने का आव्हान वरिष्ठ खिलाड़ियों से किया।

तीन दिवसीय स्पर्धा के दौरान सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी का पुरस्कार श्री सुशांत कटकवार तथा वरिष्ठ खिलाड़ियों में सर्वश्री गिरिश गुप्ता, शहजाद सुल्तान, एम.एस.ठाकुर को दिया गया। स्पर्धा के निर्विवाद संचालन हेतु निर्णायक सर्वश्री नजीर अहमद, नौभान हमीद एवं देवेन्द्र शर्मा की भूमिका उल्लेखनीय रही। मंचासीन अतिथियों का स्वागत क्रीड़ा सचिव श्री पी.के.खरे, मुख्य चिकित्सा अधिकारी एच.के.पंसारी, डॉ. के.एस.छाबड़ा, परिषद के कार्यालय सचिव डॉ. हेमन्त सचदेवा ने किया। समारोह का संचालन उप महाप्रबंधक (जनसम्पर्क) श्री विजय मिश्रा- श्री योगेश नैय्यर तथा आभार प्रदर्शन की जिम्मेदारी का निर्वहन सचिव (कार्यालय) श्री हेमन्त सचदेवा द्वारा किया गया।

आदर्शिनी महिला मण्डल द्वारा की गई वृद्धा-कुष्ठ आश्रम की सेवा सहायता

आदर्शिनी महिला मंडल छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के सदस्यों ने सार्थक समाज सेवी संस्था छत्तीसगढ़ सहित गंगा कुष्ठ आश्रम तथा संजीवनी वृद्धा आश्रम में जाकर आश्रमवासियों की सेवा सहायता की। साथ ही मंडल के सदस्यों ने धनराशि सार्थक समाज सेवी संस्था को दी। महिला दिवस पर मंडल की अध्यक्षता श्रीमती किरण सिंह सहित प्रमिला वर्मा, नीलम मेहता, आभा शुक्ला, उषा अग्रवाल, रश्मि सिंह, वंदना तेलंग ने साथ मिलकर आपस में बधाई एवं शुभकामनाओं का आदान-प्रदान किया गया। साथ ही सदस्यों ने कुष्ठ आश्रम में मिठाई, फल एवं वस्त्र बाटे। आश्रम में सेवारत वृद्धजनों के मध्य रात्रि भोज का आयोजन एवं भजन गीत-संगीत की प्रस्तुति भी की गयी।

अपनी सक्रियता को बनाये हुये आदर्शिनी महिला मण्डल छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कम्पनी द्वारा ब्रेस्ट कैंसर पर एक सेमीनार का आयोजन पॉवर कंपनी मुख्यालय डंगनिया में किया गया। सेमीनार में डॉक्टर श्रीमती ऊषा पिल्लई ने व्याख्यान दिया।

जगदलपुर क्षेत्रान्तर्गत दो नये 33/11 केव्ही. उपकेन्द्र ऊर्जीकृत

जगदलपुर क्षेत्र के अंतर्गत कोण्डागांव संभाग के धनोरा तथा दंतेवाड़ा संभाग के तुमनार में नवनिर्मित 33/11 केव्ही. उपकेन्द्र क्रमशः 26 एवं 29 मार्च 2014 को ऊर्जीकृत किये गये। इन उपकेन्द्रों में 3.15 एम.व्ही.ए. क्षमता के ट्रांसफार्मर स्थापित किये गये है। धनोरा में 1.94 करोड़ तथा तुमनार में 1.73 करोड़ रूपये की लागत से एसटी (एन) योजना के तहत उपपारेषण ग्रामीण विद्युतीकरण संभाग कांकेर एवं जगदलपुर द्वारा उपकेन्द्र का निर्माण किया गया। नवनिर्मित उपकेन्द्रों को ऊर्जीकृत करने के उपरांत जगदलपुर क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री आर.बी.त्रिपाठी ने उपकेन्द्र निर्माण में लगे अधिकारियों/कर्मचारियों को बधाई दी।

धनोरा उपकेन्द्र की स्थापना से धनोरा क्षेत्र के 96 ग्रामों को न केवल गुणवत्ता पूर्ण विद्युत आपूर्ति की जा सकेगी बल्कि विद्युत व्यवधान भी कम होंगे साथ ही लो वोल्टेज की समस्या का भी निदान हुआ। इस उपकेन्द्र की स्थापना से क्षेत्र के 96 ग्रामों के 3556 उपभोक्ताओं को लाभ हुआ है। पूर्व में इस क्षेत्र को 11 केव्ही. सप्लाई बेड़मा उपकेन्द्र से की जाती थी जिसकी कुल लंबाई 132.67 कि.मी. एवं कुल भार 165 एम्पीयर था जिसमें 4 नये फीडर बनाकर लोड को बांट दिया गया है। जिसका कुल भार वर्तमान में 90 एम्पीयर चल रहा है।

उक्त कार्यक्रम में उपस्थित अधीक्षण अभियंता (संचारण/संधारण) वृत्त कांकेर श्री एस.के.चक्रवर्ती एवं श्री आई.एल.देवांगन, अधीक्षण अभियंता (उपपारेषण ग्रामीण विद्युत) वृत्त जगदलपुर, कार्यपालन अभियंता (संचारण/संधारण) संभाग, कोण्डागांव श्री व्ही.के.महालया, कार्यपालन अभियंता (उपपारेषण ग्रामीण विद्युत) संभाग कांकेर श्री नागेश्वर राव, संबंधित सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता उपस्थित थे। तुमनार उपकेन्द्र की स्थापना से इस क्षेत्र के 22 ग्रामों को न केवल गुणवत्ता पूर्ण विद्युत आपूर्ति की जा सकेगी बल्कि विद्युत व्यवधान भी कम होंगे। इस उपकेन्द्र की स्थापना से क्षेत्र के 22 ग्रामों के 2631 उपभोक्ताओं को लाभ हुआ है। पूर्व में इस क्षेत्र को 11 केव्ही. सप्लाई गीदम उपकेन्द्र के भैरमगढ़ फीडर से की जाती थी जिसकी कुल लंबाई 79 किमी. एवं कुल भार 45 एम्पीयर था जिसमें 4 नये फीडर बनाकर लोड को बांट दिया गया है जिसका कुल भार वर्तमान में 30 एम्पीयर चल रहा है। उक्त कार्यक्रम में उपस्थित अधीक्षण अभियंता (संचारण/संधारण) वृत्त जगदलपुर श्री यू.आर. मिर्चे एवं श्री आई.एल.देवांगन, अधीक्षण अभियंता (उपपारेषण ग्रामीण विद्युत) वृत्त जगदलपुर, कार्यपालन अभियंता (संचारण/संधारण) संभाग, दंतेवाड़ा श्री पी.आर.साहू, कार्यपालन अभियंता (उपपारेषण ग्रामीण विद्युत) संभाग जगदलपुर श्री विजय कपिल, संबंधित सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता उपस्थित थे।

अंतरक्षेत्रीय सुगम संगीत प्रतियोगिता का बिलासपुर में आयोजन

केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद् के तत्वावधान में, अंतरक्षेत्रीय सुगम संगीत, गायन, वादन एवं कविता/काव्यपाठ प्रतियोगिता का छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी, बिलासपुर द्वारा आयोजन किया गया। जिसमें रायपुर केंद्रीय/क्षेत्रीय, बिलासपुर, अंबिकापुर, कोरबा (पूर्व/पश्चिम) एवं राजनांदगांव की टीमों के कलाकारों ने भाग लिया। तीन दिवसीय इस आयोजन में प्रत्येक विद्या के अंतर्गत निर्णय हेतु ख्यातिनाम निर्णायकों को आमंत्रित किया गया था। प्रतियोगिता के अंतिम दिवस पुरस्कार वितरण समारोह से पूर्व आयोजकों द्वारा सामूहिक मनोरंजन हेतु आर्केस्ट्रा का आयोजन भी किया गया था। जिसमें प्रतिभागी कलाकारों के अतिरिक्त स्थानीय अधिकारियों एवं श्रोताओं ने भी अपनी बेहतरीन प्रस्तुतियां दी। पुरस्कार वितरण से पूर्व रायपुर सेंट्रल टीम के मैनेजर योगेश नैय्यर ने आयोजन समिति के आमंत्रण पर तीन दिवसीय आयोजन की व्यवस्थाओं से जुड़ी विशेषताओं का उल्लेख एवं कुछ प्रमुख बिन्दुओं पर सुझाव प्रस्तुत करते हुए सफलतम आयोजन हेतु बिलासपुर के अधिकारियों एवं आयोजनकर्ताओं की सराहना की। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम बिलासपुर के कार्यपालक निदेशक, श्री शारदा सिंह, अतिरिक्त मुख्य अभियंता, श्री टी. के. मेश्राम, श्री शरद श्रीवास्तव एवं कल्याण अधिकारी श्री गुरूदिवान की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। रायपुर सेंट्रल की टीम ने चार पुरस्कारों पर विजय प्राप्त की। यथा- फिल्मी गायन प्रथम- श्री अनिल बिडवईकर, बांसुरी वादन प्रथम- श्री शिव नारायण, काव्यपाठ प्रथम- श्री रजीत सेनगुप्ता एवं गैर फिल्मी गायन द्वितीय- श्री अनिल बिडवईकर। इन कलाकारों को मुख्यालय में एक सादे समारोह के अंतर्गत केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद् के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (पारेषण) श्री विजय सिंह, परिषद् के महासचिव एवं कार्यपालक निदेशक (उत्पादन) श्री एम.एस. चौहान एवं परिषद् के सचिव (कार्यालय) श्री हेमन्त सचदेवा की उपस्थिति में सम्मानित कर शुभकामनाएं दी गई।

पॉवर कंपनी में तकनीकी कर्मियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रशिक्षण से किसी भी संस्थान के कर्मियों की कार्यकुशलता में वृद्धि सुनिश्चित होती है। किसी एक ही कार्य को एक ही ढर्रे पर निरंतर करते रहने से एक ठहराव सा आ जाता है। यह ठहराव कर्मियों की कार्यदक्षता में बढ़ोतरी की दृष्टि से हानिकारक सिद्ध होता है, जो कि संस्था के विकास की दृष्टि से भी बाधक है। इसे दूर करने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनी द्वारा लाईन स्टाफ, प्रशिक्षु सहायक/कनिष्ठ अभियंता तथा मैदानी कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने के लिए रायपुर एवं अंबिकापुर में लाईनमेन प्रशिक्षण संस्थान तथा रायपुर में केन्द्रीय प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किये गये।

प्रशिक्षण संस्थानों की प्रगति सहित अन्य गतिविधियों की जानकारी मुख्य अभियंता श्री जे.आर. पटेल ने दी। उन्होंने बताया कि लाईनमेन प्रशिक्षण संस्थान रायपुर में अब तक 144 तथा अंबिकापुर में 107 बैचों में हेल्पर एवं सहायक लाईनमेन को प्रशिक्षण दिया गया। उल्लेखनीय है कि इन संस्थानों से ढाई माह का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत ही सहायक लाईनमेन एवं हेल्पर पदोन्नति के योग्य माने जाते है। पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रशिक्षण गतिविधियों में इजाफा करते हुए रायपुर में 611 तथा अंबिकापुर में 290 लाईन स्टॉफ को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसी तरह कंपनी में नवनियुक्त 469 सहायक /कनिष्ठ अभियंताओं को केन्द्रीय प्रशिक्षण केन्द्र रायपुर में संस्थागत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह प्रशिक्षण सफलतापूर्वक प्राप्त करने के बाद ही इन्हें नियमित किया जाता है।

केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान रायपुर में कार्यालय सहायकों को भी तीन माह का प्रशिक्षण दिया जाता है। इस प्रशिक्षण के उपरांत वे अनुभाग अधिकारी के पद पर पदोन्नति प्राप्त करते है। वर्ष 2010 से अब तक संपन्न 9 सत्रों में 233 कार्यालय सहायकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। देश में मई वर्ष 2005 से राजीव गांधी विद्युतीकरण योजना लागू की गई है। छत्तीसगढ़ राज्य में भी सुदूर ग्रामीण अंचलों तक विद्युत अधोसंरचना के विस्तार संबंधी कार्य इस योजना के अंतर्गत संचालित किये जा रहे है। इससे मैदानी अमले पर काफी भार परिलक्षित हुआ है। इसे दृष्टिगत रखते हुए सीमित कर्मचारियों से समस्याओं को दूर करने हेतु केन्द्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आरईसी कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने का कार्यक्रम वित्तीय वर्ष 2010-11 से चालू किया गया है। आईसी. द्वारा प्रशिक्षण संस्थान हैदराबाद (सीआईआरई) को इस हेतु नामित किया गया है। श्री पटेल ने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित प्रशिक्षण संस्थाने के बारे में जानकारी देते हुए आगे बताया कि प्रदेश में रायपुर, राजनांदगांव, जगदलपुर, बिलासपुर एवं अंबिकापुर में क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान वर्ष 2010 से चालू किये गये है, जहां कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण के अंतर्गत वर्ष 2014-15 से 2016-17 तक सात वेरियंटों में प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रस्तावित है। जिसमें लाईनमेन ट्रेनिंग, एनर्जी मिटरिंग, बिलिंग (टेकनिकल एवं नॉन टेकनिकल), फायनेस मैनेजमेंट स्टोर अकाउंट एण्ड आफिस एडमिनिस्ट्रेशन, विद्युत दुर्घटना सतर्कता एवं सुरक्षा आइटी स्कील तथा ट्रांसफार्मर के संचारण/संधारण जैसे विषय शामिल हैं।

प्रेरक प्रसंग

किसी गांव में एक व्यापारी के पास एक घोड़ा था। वह अपने बेटे से भी ज्यादा उसका ख्याल रखता था। उसका बेटा भी उस घोड़े को बहुत चाहता था। वे घोड़े पर सामान लादकर बाजार ले जाते और उसे बेचकर उधर से गांववालों के उपयोग का सामन लेकर गांव वापस आ जाते। समय के साथ-साथ व्यापारी बूढ़ा हो गया तो उसके बेटे ने उसके कारोबार की कमान अपने हाथ में ले ली। वह काफी पढ़ा-लिखा था तो उसके तरीकों से कारोबार काफी फलने-फूलने लगा। उसकी व्यवस्थता बढ़ती गई तो उसने घोड़े की देखभाल के लिए एक साइस नियुक्त कर लिया। घोड़े की मेहनत भी काफी बढ़ती जा रही थी। पहले उसका युवा मालिक साइस से नियमित रूप से घोड़े की खैरखबर लेता रहता था। फिर उसे इतनी भी फुरसत नहीं रही। कोई जवाबदेही न महसूस करके साइस भी अपने काम के प्रति लापरवाह हो गया और घोड़ा बीमार पड़ गया। पर वह अपना काम करता रहा। एक दिन लड़का जब उस पर सामान लादकर चलने लगा तो घोड़ा लड़खड़ाकर नीचे गिर गया। तब लड़के का ध्यान उसकी सेहत पर गया। उसे बहुत अफसोस हुआ कि उसकी समृद्धि में जिस घोड़े का इतना बड़ा योगदान रहा, उसी को वह भुला बैठा। वह उसे तुरंत चिकित्सक के पास ले गया। उसके उपचार से घोड़ा कुछ ही दिनों में भला-चंगा हो गया। फिर लड़के ने काम की बढ़त को देखते हुए दो और घोड़े रख लिए ताकि पुरानें घोड़े को आराम मिल सके।

बांगो जल विद्युत गृह में ब्लैक स्टार्ट इकाई का मॉकड्रिल सफलतापूर्वक सम्पन्न

छत्तीसगढ़ में उपलब्ध ब्लैक स्टार्ट इकाई बांगो जल विद्युत गृह का 06 अप्रैल 2014 को सफलतापूर्वक मॉकड्रिल किया गया। यह मॉकड्रिल राज्य भार प्रेषण केन्द्र के मार्गदर्शन में बांगो जल विद्युत गृह, 132 केव्ही जमनीपाली एवं 132 केव्ही कोरबा (पूर्व) अति. मुख्य अभियंता (परी. एवं संचार) सीएसपीटीसीएल, बिलासपुर, अति. मुख्य अभियंता (संचा.-संधा.) कोरबा (पश्चिम) ताप विद्युत गृह, अधीक्षण अभियंता (संचारण/संधारण) सीएसपीडीसीएल कोरबा तथा अधीक्षण अभियंता (ईटीएण्डआई-II) कोरबा (पूर्व) ताप विद्युत गृह के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता से दोपहर 2 बजे से 4 बजे के मध्य सफलतापूर्वक निष्पादित किया गया। छत्तीसगढ़ में ब्लैक स्टार्ट के इस सफल प्रयास को पश्चिम क्षेत्र पॉवर कमेटी मुंबई द्वारा सराहा गया है।

इंडियन इलेक्ट्रिसिटी कोड की धारा 5.8 (बी) छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा जारी ग्रिड कोड की धारा 5.9 तथा पश्चिम क्षेत्र पॉवर कमेटी के निर्देशानुसार प्रत्येक राज्य में स्थापित ब्लैक स्टार्ट इकाईयों का मॉकड्रिल 6 महीने के अन्तराल में किया जाना निर्धारित है।

उपरोक्त ब्लैक स्टार्ट की प्रक्रिया को सम्पूर्ण ग्रिड के आंशिक या पूर्व रूप से बन्द होने पर किया जाता है किंतु चालू ग्रिड में एक अलग नेटवर्क स्थापित कर ब्लैक स्टार्ट की प्रक्रिया की जांच करना एक चुनौतीपूर्ण कार्यवाही होती है जो कि सभी पॉवर कंपनियों के सक्रिय सहयोग से सफलतापूर्वक निष्पादित हुआ।

इस मॉकड्रिल को निष्पादित करने के लिये, 132 केव्ही बांगो जल विद्युत गृह से 132 केव्ही. जमनीपाली सब-स्टेशन होते हुए 132 केव्ही कोरबा (पूर्व) विद्युत गृह के मध्य एक अलग नेटवर्क स्थापित कर, उसमें विद्युत अवरोध उत्पन्न कर बांगो में कम से कम समय में ब्लैक स्टार्ट कर, कोरबा (पूर्व) विद्युत गृह के 132 केव्ही. सब स्टेशन के 132/33 केव्ही. ट्रांसफार्मर में 20 मेगावाट भार लिया गया तत्पश्चात् इस अलग नेटवर्क को मुख्य ग्रिड से सिन्क्रोनाइज किया गया।

इस ब्लैक स्टार्ट की मॉकड्रिल प्रक्रिया में बांगो जल विद्युत गृह से कोरबा (पूर्व) विद्युत गृह की 132 केव्ही. बस को ऊर्जीकृत करने में मात्र 42 मिनट का समय लगा तथा कोरबा (पूर्व) विद्युत गृह के 132 केव्ही. सब स्टेशन में करीब 20 मेगावाट भार लेने के पश्चात् शेष ग्रिड से 1 घंटा 04 मिनट में पुनः सिन्क्रोनाइज कर दिया गया।

कोरबा पश्चिम में विश्व जल दिवस पर आयोजन

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में 22 मार्च को विश्व जल दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य अभियंता श्री ओ.सी. कपिला द्वारा समस्त अधिकारियों को जल संरक्षण हेतु शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर उन्होंने पानी की महत्ता पर प्रकाश डालते हुये कहा कि हमें पानी का अपव्यय रोकना चाहिए। प्राकृतिक जल संसाधनों का न्यूनतम दोहन हो ताकि भावी पीढ़ी के लिये पर्याप्त पानी की उपलब्धता बनी रहे।

कार्यक्रम में जलोपचार संयंत्र की ओर से वरिष्ठ रसायनज्ञ श्रीमति मालती जोशी ने पावर प्वाईंट प्रस्तुति के माध्यम से सन 2014 की थीम 'वाटर एंव एनर्जी' विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। साथ ही विद्युत गृह में जल खपत के आकड़ों द्वारा पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 2013-14 में डी एम वाटर खपत मेकअप प्रतिशत, रा वाटर एंव डोमेस्टिक वाटर सप्लाई में की गई कमी से होने वाले आर्थिक बचत पर भी प्रकाश डाला। पानी व्यर्थ ना बहे एवं प्रत्येक कालोनीवासी को डब्ल्यूएचओ के अन्तराष्ट्रीय मानक के अनुसार पर्याप्त जल मिले इस पर बल दिया गया। श्री राकेश शर्मा, ने भी कालोनी में पानी के संरंक्षण संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव दिये। कार्यक्रम में अति. मुख्य अभियंता श्री एन के बिजौरा, श्री एस.एम.गोवर्धन, श्री पी.के.सेलेट वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ, श्री एस.एन.कोसरिया, श्री अरुण वर्मा, श्री एस.पी.यादव, श्री रजनीश जैन, श्री डा. राजेश तिवारी मुख्य रसायनज्ञ, श्री पी.के.जोशी, श्री संजय शर्मा, एवं हसदेव ताप विद्युत गृह के अन्य अधिकारी गण उपस्थित थे। संचार विभाग के श्री रतन प्रकाश एवं जायसवाल का विशेष सहयोग रहा।

बिलासपुर में प्रतिभावान पुरस्कृत - लाभांश वितरण कार्य

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी बिलासपुर क्षेत्रीय मुख्यालय स्थित कल्याण भवन में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं लाभांश वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यपालक निदेशक श्री शारदा सिंह मुख्य अतिथि, अति. मुख्य अभियंता श्री शरद श्रीवास्तव के विशिष्ट अतिथि एवं विद्युत कर्मचारी थ्रिफ्ट एवं साख सहकारी संस्था के अध्यक्ष श्री नरेश कुमार पाण्डे मंचासीन थे। इस अवसर पर अतिथियों ने सहकारी संस्था द्वारा लाभांश वितरण, प्रतिभाशाली बच्चों को पुरस्कार एवं कर्मचारी हित में किये जाने वाले कार्यो को सराहनीय ठहराया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सिंह ने संस्कृत के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हेतु श्री दामोदर प्रसाद सोनी सहित होनहार विद्यार्थियों में शामिल निधी सिंह, उमेश वर्मा, आदित्य शुक्ला, हिमाद्री साहू, हिमांशु भोई, विवेक देवांगन, अनुष्का-एश्वर्या चौबे, हनिफा बेग, आकांक्षा खेड़कर, करूणा-किरण-रंजना देवांगन कमाल अख्तर, विकल्प पाल, समिधा सोलंकी, सुषमा वर्मा को सिल्वर पदक एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन श्री शशीकांत दुबे एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती सुमन चतुर्वेदी द्वारा किया गया।

कोरबा ताप विद्युत गृह में राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह मनाया गया

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी कोरबा पूर्व में 04 से 11 मार्च तक राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया। इसका समापन समारोह एस.एस. टिल्लू मुख्य अभियंता प्रशिक्षण के मुख्य आतिथ्य एवं कारखाना अधिभोगी एस.के.बंजारा, मुख्य अभियंता उत्पादन की अध्यक्षता तथा अति. मुख्य अभियंता बी.एन.विश्वास एवं गौतम मुखर्जी एवं डॉ. जी.पी.दुबे वरि. मुख्य रसायनज्ञ, अधीक्षण अभियंता बी.बी.पी.मोदी, ए.के. सत्संगी, ए.एन.बहल, जी.एस.मंडावी के विशिष्ठ अतिथि में सम्पन्न हुआ।

केन्द्रीय सुरक्षा समिति के सदस्यों द्वारा अतिथियों के स्वागत पश्चात मुख्य संरक्षा अधिकारी आर.एल. ध्रुव ने कार्यक्रम संबंधी प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए सुरक्षा संबंधी प्रश्नमंच का संचालन किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री टिल्लू ने कहा कि सेफ्टी हमारी आदत में शुमार होनी चाहिए यह अनुशासन की एक कड़ी है जो कर्मचारी को हर दृष्टिकोण से सुरक्षा प्रदान करती है कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री बंजारा ने कहा कि सुरक्षा को दिन सप्ताह एवं माह तके सीमित नहीं रहना चाहिए यह वर्ष भर निरंतर धारण करने वाली प्रक्रिया है। कर्मियों को चाहिए कि वे वर्क-मेन-शीप तथा क्वालिटी-ऑफ मटेरियल पर विशेष ध्यान दे जिससे कि असंभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके। श्री मोदी ने व्ह्यू गोवा के सिद्धान्त की व्याख्या करते हुए सुरक्षा के उपाय सुझाये।

सुरक्षा सप्ताह में आयेजित निबंध एवं नारा प्रतियोगिता के लिए गायत्री तिवारी, एस.के.साहू, श्रीमती वंदना बरेठ तथा नारा प्रतियोगिता के लिए संदीप बघेल, ललिता खलखों, घनश्याम साहू, आलोक चन्द्रशर्मा का पुरस्कृत किया गया। अंतर विभागीय गृह सज्जा प्रतियोगिता के लिए सेफ्टी अवेयरनेस एवार्ड ग्रुप एक में ईएमडी-3 को प्रथम, बीएमडी-2 को द्वितीय एवं बीएमडी-3 को तृतीय तथा ग्रुप-2 में हाइड्रोजन प्लांट को प्रथम, उपकरण एवं नियंत्रण संभाग-3 को द्वितीय तथा जल शोधन संयंत्र को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सुरक्षा सप्ताह में मॉकड्रील प्रस्तुति के लिए अग्निशमन विभाग के कर्मियों को पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम का संचालन श्री एस.पी.बारले, वरि. कल्याण अधिकारी तथा संयोजन आर.एल.ध्रुव मुख्य संरक्षा अधिकारी व आभार प्रदर्शन एन.डी.गौरी संरक्षा अधिकारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में केन्द्रीय सुरक्षा समिति के सदस्यों सर्वश्री पालेश्वर सिंह, एच.आर.नेताम, राकेश सिंह, विजय मेहरा, के. पी.साहू, सुरेश सोनी, श्रीमती कविता ठक्कर, एस.सी. तिवार एवं सनत कुमार सिदार का सहयोग सराहनीय रहा।

कोरबा पूर्व में अन्तरक्षेत्रीय व्हॉलीबाल प्रतियोगिता सम्पन्न

अंतरक्षेत्रीय व्हॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन कोरबा में सम्पन्न हुआ। स्पर्धा में शामिल 07 क्षेत्रीय टीमों के मध्य कोरबा पश्चिम को विजेता एवं कोरबा पूर्व की टीम को उपविजेता होने का गौरव प्राप्त हुआ। स्पर्धा में शामिल खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन हेतु श्री एम.एस.कंवर मुख्य अभियंता डीएसपीएम. ताप विद्युत गृह एवं श्री एस.के.बंजारा मुख्य अभियंता कोरबा पूर्व, श्री एस.एस.टिल्लू मुख्य अभियंता प्रशिक्षण तथा डॉ.जी.पी.दुबे वरि.मुख्य. रसायनज्ञ, बी.बी.पी.मोदी, टी.एल.देवांगन एवं ए.व्ही.कुलकर्णी अधीक्षण अभियंता सहित बड़ी संख्या में अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थिति थे।

कोरबा पश्चिम से धर्मवीर राजपूत की कप्तानी में बी.के.कश्यप, डी.डी.नायक, आर.पी.लोधी, एच. विश्वकर्मा, के.पी. सिंह, विनय कर, समीर निर्मल, रवि लकडा तथा आर.डी. पटेल ने अच्छे खेल का प्रदर्शन कर विगत 14 वर्षों से जीत की परंपरा को कायम रखा। कोरबा पूर्व टीम से श्री एम.एस.ठाकुर के कप्तानी में दीनानाथ राय, डी.एस.बघेल, एम.के. रायकवार, विनोद राठौर, टी.गांगुली, जी.के.नेताम, परदेश कुमार, राकेश शुक्ला एवं अशोक डहरिया ने खेल का प्रदर्शन किया।

इस प्रतियोगिता में कोरबा पूर्व के खिलाड़ी श्री डी.एन.राय को बेस्ट नेटर, श्री डी.एस.बघेल को बेस्ट डिफेन्डर तथा कोरबा पश्चिम के श्री धर्मवीर सिंह राजपूत को बेस्ट ऑल राउण्डर के खिताब से नवाजा गया। प्रतियोगिता का संचालन नेशनल रेफरी राजेश्वर सिंह एवं प्रमोद सिंह तथा स्टेट रेफरी कुशाल सिंह एवं कोमल सिंह के द्वारा किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री कंवर ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कर्मियों के उत्साहवर्धन एवं औद्योगिक संबंध को कायम रखने का सशक्त माध्यम खेलों को बताया। विशिष्ठ अतिथि श्री टिल्लू ने कहा कि हमारे कर्मी अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए शारीरिक स्वस्थता को बनाये रखे है। कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री बंजारा, ने कहा कि खेल स्पर्धा विभिन्न विभागों को आपस में जोड़ने का कार्य करती है। ऐसे आयोजन बहुउद्देशीय होते हैं।

प्रतियोगिता का संचालन एस.पी.बारले वरि.कल्याण अधिकारी द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता को सम्पन्न कराने में सर्वश्री आर.एल.ध्रुव मुख्य संरक्षा अधिकारी, डी.तिर्की, सुरक्षा अधिकारी एवं पी.आर.खुंटे कल्याण अधिकारी, सी.एस.बघेल सुरेश क्रिस्टोफर, विजय पटनायक, एस.के.डेविड विनोद राठौर एवं सनत कुमार सिदार का सहयोग सराहनीय रहा।

सादगी और संयम

ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ ने एक विश्व सम्मेलन आमंत्रित किया, जिसमें विश्व के सभी प्रमुख लोगों को आमंत्रित किया। भारत से गांधीजी को आने का निमंत्रण था। गांधीजी वहां पहुंचे तो गेट पर उन्हें यह कहकर रोक दिया गया कि इस सम्मेलन में पैंट-सूट वाले ही प्रवेश कर सकते है। गांधीजी ने कहा, महारानी को कह दिया जाए कि मैं सम्मेलन में शामिल होना चाहता हूं, पर अपनी सादगी का त्याग करके नहीं। जब महारानी तक यह बात पहुंची तो वे खुद गेट पर जाकर गांधीजी को भीतर आने का निवेदन करने लगी। हजारों पैंट-सूट वालों के बीच अकेले गांधीजी धोती पहने चमक रहे थे। विश्व ने पहली बार देखा कि भारत की पहचान व पूजा, वैभव और प्रदर्शन से नहीं, सादगी व संयम के कारण होती है।

सार:- सादगी और संयम से किसी को भी जीता जा सकता है।

परिचयावली...

कार्यपालक निदेशक श्री प्रमोद कुमार अग्रवाल

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग एवं वितरण कंपनी के मानव संसाधन विभाग में कार्यपालक निदेशक के पद पर सेवारत श्री प्रमोद कुमार अग्रवाल का जन्म 23 फरवरी 1954 को भाठापारा में हुआ। संस्कारवान परिवार में माता श्रीमती रामकली एवं पिता श्री जगतनारायण अग्रवाल के आदर्शों से जीवन में अनवरत आगे बढ़ने की प्रेरणा आपको विरासत में मिली। आपने वर्ष 1971 में शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक शाला भाटापारा से हायर सेकण्डरी तथा वर्ष 1976 में मौलाना आजाद प्रौद्योगिकी महाविद्यालय भोपाल से बी.ई. (इलेक्ट्रिकल) की उपाधि अर्जित कर अपनी कुशाग्र बुद्धि का परिचय दिया।

सुसंस्कार संग सुशिक्षित बनने की यात्रा पथ पर आगे बढ़ते हुये वर्ष 1978 में सहायक अभियंता (प्रशिक्षु) के रूप में मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल गुना से आपने अपनी सेवायात्रा का श्रीगणेश किया। आगे वर्ष 1979 में सहायक अभियंता के नियमित पद पर गुना में ही आपकी पदस्थापना हुई। संस्था की समृद्धि और सम्पूर्ण समर्पण भाव से जिम्मेदारियों का निवर्हन आपकी कार्यशैली का मूलमंत्र रहा। इसे सार्थक करते हुये वर्ष 1996 में आपको कार्यपालन अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई और आपकी पदस्थापना अंबिकापुर में हुई।

सेवायात्रा में आपकी कार्यकुशलता का प्रतिफल यथासमय आपको प्राप्त हुआ। वर्ष 2006 में अधीक्षण अभियंता तथा वर्ष 2011 में अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर आपको पदोन्नति प्राप्त हुई। इन पदों पर आपने राज्य के विद्युत प्रबंधन, ओपन एक्सेस, यू.आई. बिलिंग, तथा विद्युत की मांग-क्रय-दरों का विश्लेषण, उच्चदाब उपभोक्ताओं से संबंधित आदि कार्यों में अपनी कार्यकुशलता का परिचय मुख्य अभियंता (वाणिज्य) एवं मुख्य अभियंता (भार प्रेषण केन्द्र) कार्यालय रायपुर में दिया। आपकी कर्त्तव्यनिष्ठता का बेहतर प्रतिफल आगे वर्ष 2013 में आपको मुख्य सतर्कता अधिकारी के पद पर पदोन्नति के रूप में प्राप्त हुआ। इस पद पर रहते हुये आपने प्रदेश में विद्युत चोरी एवं दुरूपयोग को रोकने में अपनी विशेष कार्यदक्षता को प्रदर्शित किया। आपकी उत्कृष्टता का मूल्यांकन करते हुये पॉवर कंपनी द्वारा वर्ष 2014 में आपको कार्यपालक निदेशक के शीर्ष पद पर पदोन्नति दी गई। इस पद पर आपको विद्युत वितरण एवं होल्डिंग कंपनी के मानव संसाधन विभाग के दोहरे दायित्व की जिम्मेदारी दी गई।

सेवायात्रा के दौरान आपको चेन्नई, हैदराबाद, नार्वे में उच्च दर्जे का प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर पॉवर कंपनी की ओर से प्रदान किया गया फलस्वरूप आपने विद्युत विषयक कार्यों में अपनी दक्षता को और बेहतर ढंग से प्रदर्शित किया। लगभग 34 वर्षों की सफलतापूर्वक सेवायात्रा को पूर्ण करते हुये आपने मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के विद्युत विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया। अध्ययन एवं तैराकी में आपकी विशेष अभिरूचि है।

बिलासा साहित्य सम्मान से सम्मानित हुये श्री महेश श्रींवास

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी बिलासपुर के लेखा इकाई में कार्यरत एवं व्यंग्यकार श्री महेश श्रींवास को बिलासा साहित्य सम्मान से सम्मानित किया गया। बिलासा कला मंच द्वारा आयोजित 24 वें बिलासा महोत्सव के उपरोक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री अमर अग्रवाल जी स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण एवं श्रम मंत्री एवं विशिष्ट अतिथि श्री शैलेष पाण्डे, कुलसचिव डॉ.सी.वी.रमन विश्वविद्यालय कोटा के आतिथ्य में के हाथों सम्मान प्राप्त किया।

40 वर्षो से सम्मानित गतिविधियों में सक्रिय रूप से जुड़े श्री महेश श्रीवास द्वारा समाज सुधार की दिशा में अनेक रचनात्मक कार्य किये गये है। समन्वय साहित्य परिवार, बिलासा कला मंच, छत्तीसगढ़ साहित्यकार परिषद, राष्ट्र भाषा प्रचार समिति प्रयास प्रकाशन, सार्थक संस्था एवं नाट्य निकेतन सांस्कृतिक संस्था में विभिन्न पदों में रहते हुए सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय भागींदारी निभा रहे है। बधाई...

विद्युत दुर्घटना में मृत्यु पर बाहरी व्यक्तियों-मवेशियों को देय अनुग्रह राशि पुनरीक्षित

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कपंनी द्वारा विद्युत दुर्घटनाग्रस्त बाहरी व्यक्तियों, मवेशियों एवं पक्षियों केा देय अनुग्रह राशि को पुनरीक्षित किया गया है। मुख्य अभियंता (संचारण/संधारण) द्वारा जारी परिपत्र क्रमांक 02-01/सामा./विद्युत दुर्घटना/8472 रायपुर दिनांक 04.03.2014 के अनुसार विद्युत दुर्घटना में मृत बाहरी व्यक्ति के वैधानिक उत्तराधिकारी, स्थायी अपंग व्यक्ति को दो लाख रूपये प्रदान किया जायेगा। इसी तरह दुधारू पशु जैसे गाय, भैस, ऊंट, याक के विद्युत दुर्घटना में मृत्यु होने पर रूपये 16400.00 तथा भेड़, बकरी के मृत्यु पर रूपये 1650.00 अनुग्रह राशि निर्धारित की गयी है।

भरवाही या सूखे जानवर जैसे ऊंट, घोड़ा, बैल, भैसा के लिए रूपये 15000.00 तथा बछड़ा, गधा, सुअर, खच्चर/टट्टू के विद्युत दुर्घटना में मृत्यु होने पर रूपये 1000.00 अनुग्रह राशि दी जायेगी। घरेलू पोल्ट्री में पल रहे पक्षी के विद्युत दुर्घटना में मृत्यु होने पर रूपये 40.00 प्रति पक्षी, प्रति हितग्राही को रूपये 400.00 से अधिक नहीं का निर्धारण किया गया है।

मतदान के दौरान प्रयुक्त अमिट स्याही की जन्मकथा

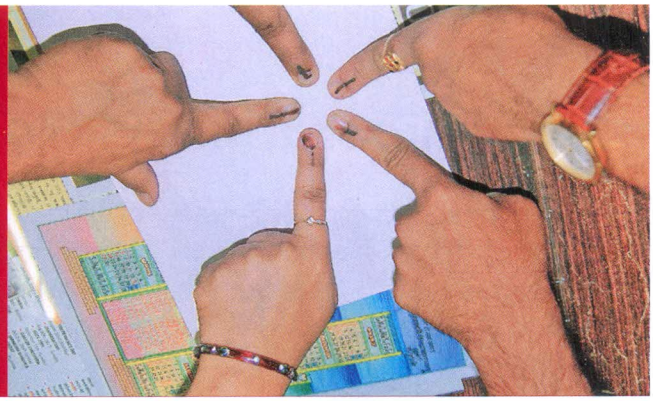

विधानसभा, लोकसभा जैसे विभिन्न चुनाव के दौरान मतदाताओं के बायें हाथ की तर्जनी पर स्याही से एक निशान मतदान कर्मियों द्वारा लगाया जाता है। यह स्याही लगभग महीने भर तक अमिट बनी रहती है। देश में पहली बार 1962 में तीसरे आम चुनाव में अमिट स्याही का इस्तेमाल हुआ था। इस स्याही का उत्पादन मैसूर स्थित सरकारी क्षेत्र की कंपनी मैसूर पैंटस एण्ड वार्निश कंपनी द्वारा किया जाता है। इस स्याही का फार्मूला गुप्त रखा गया है। यह फार्मूला दिल्ली स्थित नेशनल फिजिकल लैब द्वारा तैयारी किया गया है। इसका मुख्य रसायन सिल्वर नाइट्रेट है। मूलतः बैगनी रंग का यह रसायन प्रकाश के प्रभाव में आते ही अपना रंग बदल देता है। इसे किसी भी तरह से मिटाया नहीं जा सकता। जिस कंपनी में यह तैयार किया जाता है वह मैसूर के राजा नलवाडी कृष्णराज वाडियार द्वारा करीब 77 साल पहले स्थापित की गई थी। आजादी के बाद राज्य सरकार द्वारा इसका राष्ट्रीयकरण किया गया। हालांकि महाराजा के परिवार का इस कंपनी में हिस्सा बरकरार है। कंपनी द्वारा इस अमिट स्याही को छोटी -छोटी बोतलों में उपलब्ध कराया जाता है। यह कंपनी केवल भारत में होने वाले चुनाव के लिए ही नहीं अपितु मलेशिया, मालद्वीव, कंम्पोडिया, अफगानिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, मिश्र में भी इस स्याही की आपूर्ति करती है।

अंबिकापुर में कर्मचारी विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी अंबिकापुर में 21 एवं 22 फरवरी 2014 को औद्योगिक व श्रम कल्याण विभाग द्वारा केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा मण्डल रायपुर के तत्वावधान में कर्मचारी विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि मुख्य अभियंता श्री आई.एन.कैथवास ने कहा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती, हम हर दिन कुछ न कुछ नया सीखते रहते है। कर्मचारीगण ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों से ज्ञान/जानकारी प्राप्त करके उसका लाभ अपने निजी जीवन और संस्थान में कार्य कुशलता को बढ़ाने के लिए करें। शिक्षाधिकारी श्री के.एस.ठाकुर ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अंतर्गत कर्मचारियों को दुर्घटना रहित जीवन, सकारात्मक सोच, पारस्परिक सम्प्रेणकता आदि अनेक विषयों पर प्रभावशाली एवं रोचकपूर्ण तरीकों से प्रशिक्षण दिया।

कार्यक्रम के अतिथियों सहित आवेदन कुजूर, अधीक्षण अभियंता श्री पी.एल.सिदार अधीक्षण अभियंता का स्वागत कल्याण अधिकारी श्री राजेश कुमार, श्री विजय गुप्ता ने किया। कल्याण अधिकारी श्री राजेश कुमार ने सम्पूर्ण

प्रशिक्षण कार्यक्रम को उपयोगी तथा पॉवर कपंनी के लिए हितकारी बताया। अंत में श्री आर. एन.गिरी ने आभार प्रदर्शन किया व राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री अनिल त्रिपाठी श्री बी.के. पटेरिया, श्री कामेश्वर का सहयोग उल्लेखनीय रहा।

- जिसे पुस्तकें पढ़ने का शौक है, वह सब जगह सुखी रह सकता है।

महात्मा गांधी

- सितारों तक हम भले ही न पहुँच सके, लेकिन उनकी तरफ निगाह तो रहनी ही चाहिए।

पं. नेहरू

- जो यह सोचकर भयभीत रहता है कि कहीं हार न जाए वह निश्चित रूप से हारेगा।

नेपोलियन

- नवयुवकों के लिए मेरा संदेश तीन शब्दों में है परिश्रम, परिश्रम, परिश्रम

विस्मार्क

- सम्भव असम्भव से पूछता है- 'तुम्हारा निवास स्थान कहां है?' 'निर्बलों के स्वप्नों में'

टैगोर

- भाग्य के भरोसे बैठे रहने पर भाग्य सोया रहता है और हिम्मत बांधकर खड़े होने पर भाग्य भी उठ खड़ा होता है।

अज्ञात

- अपने जीवन का एक लक्ष्य बनाओ और इसके बाद अपना सारा शारीरिक और मानसिक बल, जो ईश्वर ने तुम्हें दिया है, उसमें लगा दो।

कार्लाइल

- असफलता से वही अछूता है, जो कोई प्रयास नहीं करता।

व्हेटली

संकल्प महिला मंडल ने वृद्धा आश्रम की सदस्याओं का किया सम्मान

संकल्प महिला मंडल, हसदेव ताप विद्युत गृह, कोरबा-पश्चिम की अध्यक्षा श्रीमती पुष्पलता कपिला एवं उपाध्यक्ष श्रीमती प्रमीला जैन, आरती व्यास, हंसा सेलेट एवं श्रीमती कल्याणी बिजोरा ने प्रशांति वृद्धा आश्रम के सदस्यों के बीच उपस्थित होकर वृद्धा आश्रम की सदस्याओं का शॉल एवं फल वितरित कर उनका सम्मान किया तथा उनकी आवश्यकता के अनुरूप उन्हें बर्तन प्रदान कर सामाजिक दायित्व का निर्वहन किया। वृद्धा आश्रम की सम्मानित सदस्याओं ने संकल्प महिला मंडल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके साथ व्यतीत किये गये इस समय को अनमोल क्षण बताया। इस अवसर पर संकल्प महिला मंडल की सचिव, श्रीमती कल्पना यादव एवं कार्यकारिणी की सदस्यायें श्रीमती आरती राय, रूकमणी सिंह, कविता पण्ड्या, प्रमिला बापट, रोमी कपिलेश एवं सुनिता जांगड़े भी उपस्थित थी।

आदर्शनी महिला मण्डल द्वारा वार्षिक उत्सव पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन

आदर्शनी महिला मण्डल, छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी द्वारा अपने वार्षिक उत्सव पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन क्लब की संरक्षिका श्रीमती रेखा शिवराज सिंह, श्रीमती प्रीती सिंह एवं अध्यक्षा श्रीमती किरण सिंह की उपस्थिति में होटल एम्ब्रोसिया, रायपुर में किया गया। कार्यक्रम में महिला मण्डल की पदाधिकारी एवं सदस्याओं ने सपरिवार अपनी हिस्सेदारी दी। कार्यक्रम के प्रारंभ में आगन्तुकों का स्वागत महिला क्लब की पदाधिकारियों ने किया। इस अवसर पर स्वागत गीत की प्रस्तुति श्रीमती आभा शुक्ला, सरोजनी दुबे एवं सोनिया बघेल ने दी। तबले पर श्री हेमन्त सचदेवा, कीबोर्ड पर मनन सचदेवा ने संगत दी। इस अवसर पर खेले गये लक्की ड्रा नीलम भादे, माधुरी वर्मा तथा हाउजी ममता मिश्रा, सविता सचदेवा, झूमाधर द्वारा खिलाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित कपल के लिए भी रोचक गेम का आयोजन किया गया, जिसे आशा शर्मा एवं सरोजनी दुबे ने खिलाया। श्री दिलीप बैस कोरियोग्राफर ने मंच पर छत्तीसगढ़ी तथा कोमल देवांगन एवं कु. शायरी ने मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन सचिव नीलम मेहता ने तथा आभार प्रदर्शन श्रीमती ऊषा अग्रवाल ने किया।

कामयाबी की कथा....

न्यूनतम लाईन लॉस वाला प्रदेश बने छत्तीसगढ़ -श्री एस.सी. नेगी

एस.सी. नेगी
(कार्यपालन अभियंता)

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जाता है। ऐसे उत्कृष्ट कर्मियों को प्रतिवर्ष राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस एवं स्वतंत्रता दिवस के समारोह में कंपनी मुख्यालय सहित क्षेत्रीय मुख्यालयों में आयोजित समारोह में पुरस्कृत किये जाते हैं। इन अधिकारियों/कर्मचारियों के कार्यों सहित उनकी विकास यात्रा को अन्य अधिकारी-कर्मचारीगण जानें इसे दृष्टिगत रखते हुये गृह पत्रिका संकल्प में प्रकाशित करने की नई शुरूआत की गई है। पॉवर कंपनी के पुरस्कृत अधिकारी-कर्मचारीगण इस स्तम्भ हेतु अपनी विकास यात्रा एवं संघर्ष की गाथा को प्रेषित कर सकते हैं। इस स्तम्भ की शुरूआत श्री एस.सी.नेगी द्वारा प्रेषित कामयाबी की कथा के प्रकाशन से की जा रही है...

मेरा जन्म 08 मार्च 1955 को मध्यप्रदेश के खंडवा जिला के छोटे से गांव पिपलौद-खुर्द में हुआ था। माध्यमिक स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के पश्चात् हायर सेकंडरी स्कूल की पढ़ाई खंडवा से की। तत्पश्चात पॉलिटेक्निक में विद्युत इंजीनियरिंग में डिप्लोमा दमोह से सन् 1975 में प्रथम श्रेणी ऑनर्स से उत्तीर्ण कर 18 मार्च 1976 को मध्यप्रदेश विद्युत मंडल में डिप्लोमा ट्रेनिंग के रूप में महासमुंद (शहर) वितरण केन्द्र में पदस्थ हुआ। वहां पर संभाग में पदस्थ अनुभवी अभियंताओं के मार्ग दर्शन में कार्य करना प्रारंभ किया। इसी दरमियान भाटापारा, कसडोल वितरण केन्द्र पर कार्य करते हुए 18 सितम्बर 1977 को रेग्युलर सुपरवाईजर के पद पर कार्य करना प्रारंभ किया। कसडोल वितरण केन्द्र उस वक्त दुर्गम इलाका माना जाता था। विपरीत परिस्थितियों के पश्चात भी ग्रामीण विद्युतीकरण की स्वीकृत योजनाओं का कार्य पूरे क्षेत्र में कर अनेक दुर्गम ग्रामों को विद्युतीकृत करने का अवसर प्राप्त हुआ।

मई 1981 में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए शासकीय इंजीनियरिंग कालेज के पार्ट टाईम बी.ई. का चयन होने से शहर संभाग रायपुर में पदस्थापना हुई। सन् 1986 में बी.ई. उत्तीर्ण करने के पश्चात अक्टूबर 1987 में सहायक यंत्री ट्रेनिंग के रूप में चयन हुआ एवं अप्रेल 1988 रेग्युलर सहायक यंत्री के रूप में पदस्थापना नगर संभाग (पूर्व) रायपुर में हुई। इस बीच रायपुर संभाग में एवं महासमुंद कसडोल वितरण केन्द्र में रहते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी, श्री राजीव गांधी, श्री चरणसिंह, श्री इन्द्रकुमार गुजराल, श्री अटल विहारी बाजपेयी एवं महामहिम राष्ट्रपति श्री ज्ञानी जैल सिंह जी की सभाओं में विद्युत व्यवस्था सुचारू रखने का अवसर मिला।

सन् 1991 से 2001 तक नगर संभाग (पूर्व) रायपुर में सहायक यंत्री मेन्टेनेस के रूप में कार्य करते हुए 01 नवम्बर 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य गठन के समय राजधानी के अनुरूप विद्युत व्यवस्था का कार्य सचिवालय, विधानसभा अध्यक्ष, राजभवन, मुख्यमंत्री निवास एवं अन्य मंत्रियों के निवास स्थान एवं पोलिस ग्राउंड पर प्रथम शपथ ग्रहण समारोह में विद्युत व्यवस्था का कार्य अल्पसमय में संपादित कराया गया, फलस्वरूप छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल द्वारा 26 जनवरी 2002 को माननीय मुख्यमंत्री जी के कर कमलों द्वारा सम्मानित किया गया। जिसके तहत् उल्लेखनीय कार्यो के लिए प्रशंसा पत्र, गोल्ड मेडल एवं एक अतिरिक्त वेतन वृद्धि दी गई।

वर्ष 2003 से अक्टूबर 2005 तक नगर संभाग (पश्चिम) रायपुर में भी अपनी सेवाए अतिरिक्त कार्यपालन यंत्री के पद पर रहते हुए शहर के निर्माण उप संभाग में दी। तत्पश्चात अध्यक्ष महोदय कार्यालय में नवम्बर 2005 से प्रोटोकाल अधिकारी के रूप में पदस्थापना हुई। जनवरी 2006 में कार्यपालन यंत्री पद पर पदोन्नती हुई। प्रोटोकाल अधिकारी के पद पर रहते हुए वर्ष 26 जनवरी 2008 को अध्यक्ष महोदय द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने हेतु सिल्वर मेडल एवं प्रसंशा पत्र प्रदान किया गया। अप्रेल 2010 से मुख्य अभियंता (उप. पारे.ग्रा.वि.) रायपुर कार्यालय में कार्यपालन यंत्री के रूप में कार्यरत हूं।

इस प्रकार मुझे छोटे से वितरण केन्द्र से कार्य प्रारंभ कर माननीय अध्यक्ष महोदय के कार्यालय में कार्य करने का एवं एक छोटे से गांव को विद्युतीकृत करने से लेकर छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में भी विद्युत व्यवस्था करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ जो कि सामान्यतः कम व्यक्तियों को ही मिलता है।

आज की वर्तमान परिस्थितयों में आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए वर्तमान में विद्युत संरचना में बदलाव लाना अत्यंत आवश्यक है जिसका उपयोग कर लाईन लॉस को कम करने की दिशा में कदम उठाने की आवश्यकता है। इस कार्य हेतु अलग से प्रकोष्ठ बनाकर लाईन में आवश्यक नवीनीकरण का कार्य कर लाईन लॉस कितना कम हुआ इत्यादि का कार्य भी उसी प्रकोष्ठ से कराकर मॉडल प्रस्तुत करना चाहिए। जिसका अनुसरण कर अन्य क्षेत्रों में किये जा रहे कार्यो की गुणवत्ता में अपेक्षित सुधार लाया जा सके। इस प्रकार न्यूनतम लाईन लॉस वाला प्रदेश बन सके।

उपरोक्त कार्यों को सफलतापूर्वक निष्पादित करने के लिए मैं अपने उच्चाधिकारियों के कुशल मार्गदर्शन एवं सहकर्मियों एवं कार्यक्षेत्र में आने वाले उपभोक्ताओं के द्वारा अमूल्य सहयोग प्रदान करने के सदैव आभारी रहूंगा।

कोरबा पश्चिम में महिला दिवस पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में कार्यरत सभी महिलाओं ने वर्किंग वूमन एसोसिएशन के बैनर तले सीनियर क्लब में महिला दिवस का आयोजन किया जिसमें सभी कार्यकारी अधिकारी एवं कर्मचारी महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। महिलाओं के मनोरंजन हेतु कई रोचक गेम्स, हिंदी वर्णमाला, हाउजी आदि करवाये गये।

कार्यक्रम के आरंभ में वर्किंग वूमन एसोसिएशन की अध्यक्ष श्रीमती मालती जोशी (वरि. रसायनज्ञ) ने महिला दिवस की शुभकामना देते हुए इस संगठन की स्थापना, उद्देश्य, महत्ता एवं आवश्यकता को प्रतिपादित किया। उन्होंने कहा कि इससे ह.ता.वि.गृह में कार्यरत सभी महिलाओं में एकता, आपसी परिचय एवं परस्पर सहयोग के साथ ही सुरक्षा को बल मिलेगा। महिलाओं को किसी भी प्रकार की समस्या होने पर वे निःसंकोच इस मंच के माध्यम से आगे बढ़ सकेंगी। इस अवसर पर ह.ता.वि.गृह की महिला उत्पीड़न समिति की अध्यक्ष श्रीमती मालती जोशी ने नई पदस्थ प्रशिक्षु अभियंताओं को महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए पर्यावरण के प्रति जागरुकता, सामाजिक कार्यों में भी भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। इसी क्रम में श्रीमती एस. सेलेट ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में श्रीमती उमा भारद्वाज की माताजी श्रीमती प्रभादेवी पाठक का सम्मान किया गया। कु. रिचा क्षेत्रपाल ने मंच संचालन करते हुए महिलाओं से संबंधित प्रश्न मंच करवाया। इस अवर पर कु. जया भारद्वाज ने अपनी नृत्य कला का परिचय दिया। अंत में हिंदी वर्णमाला की हाउजी का सबने आनंद लिया एवं पुरस्कार के हकदार बनें।

पेयर गेम में शिल्पा रावटे एवं स्वाती नेताम विजय रही। वुमन डे मिल इवनिंग कु. दीक्षा पाठक सहायक अभियंता तथा मिसेज इवनिंज डेजि चेरियन रही। मिस फ्रेशर का खिताब कु. काजल कृपाल ने जीता। एसोसिएशन में सचिव अंजना कुजुर, अनिता सिंह उइके, भगवती बंजारा, कोषाध्यक्ष सुनिता कुमारी, भानु एवं निमिषा श्रीवास्तव तथा संयोजक रिचा क्षेत्रपाल आकांक्षा मेहरात्रा वंदना शुक्ला लारिशिया मिंज का सहयोग सराहनीय रहा। कार्यक्रम के अंत में सीनियर क्लब सचिव एवं संचार विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

डॉ. विश्वेश्वरैया की जीवनी पर कविता

मैं सुनावंव मैं बतावंव डॉ. विश्वेश्रैया के कहानी।।
माता ओखर श्रीमती वेंक्चम्मा ...
पिता श्रीनिवास शास्त्री बड बुधमानी।।
मैं सुनावंव मैं बतावंव डॉ. विश्वेश्रैया के कहानी।।

जनम तोरे 15 सितं सन अटठारह सौ इकसठ ...
जीये एक सौ एक साल के बछर तंय बड भागमानी।
मैं सुनावंव मैं बतावंव डॉ. विश्वेश्रैया के कहानी।।

गरीब घर के तंय भारतरतन इंजिनियर ...
डॉक्टर अउ सर तुंहर नाव हम जानी।।
मैं सुनावंव मैं बतावंव डॉ. विश्वेश्रैया के कहानी।।

दुखे-गरीबी ल सहके पाये तहीं ...
पढ़-लिख डारे तंयै अडबड सुझबुझ ज्ञानी।
मैं सुनावंव मैं बतावंव डॉ. विश्वेश्रैया के कहानी।।

बना के कृष्णराजसागर करे देश के सेवा...
चलाये तंयै मैसुर राज के दीवानी।।
मैं सुनावंव मैं बतावंव डॉ. विश्वेश्रैया के कहानी।।

तोर करे तोर धरे जम्मो आजो हे खडे...
सुनावव तोर जीवन संघर्ष के मैं कहानी।।
मैं सुनावंव मैं बतावंव डॉ. विश्वेश्रैया के कहानी।।

पुरा नाव तुहंर मोक्षगुण्डम गांव मुछेनहल्ली
मानै तुहंला लंदन मास्को कोलकाता दिल्ली
इंजिनियर दिवस तुहंर जनम दिन ल मानी।
मैं सुनावंव मैं बतावंव डॉ. विश्वेश्रैया के कहानी।।

अनिल कुमार पटवर्धन
कनिष्ठ अभियंता नि.उ.सं, धमतरी

पर्यावरण

वातावरण को स्वच्छ-शुद्ध रख दूर करें प्रदूषण,
टिमटिमाते तारों के नीचे हरा-धरा के भूषण।

वृक्षों-पौधों की हर मौसम में लहलहाती हरियाली,
जड़ी-बूटी फूलों-फलों की देती हरदम खुशहाली।

चिलचिलाती धूप तपे या हो भारी बरसात,
कड़कड़ाती ठण्ड हो या अंधियारी रात।

फिर भी अपने हाल में मदमस्त रह जन-जन को अपनाती,
अपने ठण्डे छांव से पूरी दुनिया को गहरी नींद सुलाती।

मानव उनको पत्थर मारे या कुल्हाड़ी से काटे,
वर्षा ऋतु में जल बरसाने उन्ही की ओर ताके।

न छाता है न कम्बल है न घर की औकात,
फिर भी ईमारती लकड़ी से देते घर का सौगात।

दानव बल मानव अब भी कुचल रहे हरियाली,
सुनहरे कल पीछे ढकेल, आमंत्रण भविष्य बदहाली।

मानवता की ओर ले चलो छोड़ो सोच पुरानी,
अपने वंशज को अब दे खुशिया भरी जवानी।

एस.के.तिवारी
अनुभाग अधिकारी
छ.रा.पा.हो.कं. रायपुर

स्वाभिमान

कलकत्ता विश्वविद्यालय के उपकुलपति का एक पत्र पाकर पं. मदन मोहन मालवीय असमंजस में पड़ गए। वे बुदबुदाए. 'अजीब प्रस्ताव रखा है यह तो उन्होंने। क्या कहूँए क्या लिखूँ?'

पास बैठे एक सज्जन ने पूछा, 'ऐसी क्या अजीब बात लिखी है पंडित जी उन्होंने।'

वे मुस्कुराकर बोले, 'कलकत्ता विश्वविद्यालय के उपकुलपति महोदय, मेरी सनातन उपाधि छीनकर एक नई उपाधि देना चाहते हैं।' वे लिखते हैं, यह कहकर वे पत्र पढ़ने लगे। उस पत्र में लिखा था, 'कलकत्ता यूनिवर्सिटी आपको डॉक्टरेट की सम्मानित उपाधि से अलंकृत करके अपने आपको गौरवान्वित करना चाहती है। हम भी गौरवान्वित हो सकेंगे। आप अपनी बेशकीमती स्वीकृति से शीघ्र ही सूचित करने की कृपा कीजिए।'

'प्रस्ताव तो उचित ही है। आप ना मत कर दीजिएगा मालवीय जी महाराज, यह तो हम वाराणसी वासियों के लिए विशेष गर्व एवं गौरव की बात होगी।' तभी एक अन्य सज्जन ने हाथ जोड़ कर कहा उनसे।

'अरे बहुत ही भोले हो भैय्ये तुम तो। वाराणसी के गौरव में वृद्धि नहीं होगी। यह तो वाराणसी के पांडित्य को जलील करने का प्रस्ताव है। बनारस के पंडितों को अपमानित करने वाली तजवीज़ है यह।' बहुत ही व्यथित मन से मालवीय जी बोले।

अगले ही क्षण उन्होंने उस पत्र का उत्तर लिखा, 'मान्य महोदय! आपके प्रस्ताव के लिए धन्यवाद। मेरे उत्तर को अपने प्रस्ताव का अनादर मत मानिएगा। मेरा पक्ष सुनकर आप उस पर पुनर्विचार ही कीजिएगा। मुझको आपका यह उपाधि वितरण प्रस्ताव अर्थहीन लग रहा है। मैं जन्म और कर्म दोनों से ही ब्राह्मण हूँ। किसी भी ब्राह्मण धर्म की मर्यादाओं के अनुरूप जीवन बिताता हूं। 'पंडित' से बढ़कर अन्य कोई भी उपाधि नहीं हो सकती। मैं 'डाक्टर मदन मोहन मालवीय' कहलाने की अपेक्षा 'पंडित मदन मोहन मालवीय' कहलवाना अधिक पसंद करूँगा। आशा है आप इस ब्राह्मण के मन की भावना का आदर करते हुए इसे 'डाक्टर' बनाने का विचार त्याग कर 'पंडित' ही बना रहने देंगे।'

वृद्धावस्था में भी मालवीय जी तत्कालीन वाइसराय की कौंसिल के वरिष्ठ काउंसलर थे। उनकी गहन और तथ्यपूर्ण आलोचनाओं के बावजूद वाइसराय उनकी मेधा, सौजन्य, सहज पांडित्य आदि के क़ायल थे। एक बार एक ख़ास भेंट के कार्यक्रम के दौरान वाइसराय ने कहा, 'पंडित मालवीय, हिज़ मेजेस्टी की सरकार आपको 'सर' की उपाधि से अलंकृत करना चाहती है। आप इस उपाधि को स्वीकार करके इस उपाधि का गौरव बढ़ाने में हमारी मदद करें।'

मालवीय जी ने तुरंत मुसकुराकर उत्तर दिया, 'महामहिम वाइसराय जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आप मुझे इस योग्य मानते हैं किंतु मैं वंश परंपरा से प्राप्त अपनी सनातन उपाधि नहीं त्यागना चाहता। एक ब्राह्मण के लिए 'पंडित' की उपाधि ही सर्वोपरि उपाधि है। यह मुझे ईश्वर ने प्रदान की है। मैं इसे त्याग कर उसके बंदे की दी गई उपाधि को क्यों कर स्वीकार करूँ?'

वाइसराय उनके तर्क से खुश होकर बोले, 'आपका निर्णय सुनकर हमें आपके पांडित्य पर जो गर्व था, वह दुगुना हो गया। आप वाकई सच्चे पंडित हैं जो उसके गौरव गरिमा की रक्षा के लिए कोई भी प्रलोभन त्याग सकते हैं।'

एक बार काशी के पंडितों की एक सभा ने मालवीय जी महाराज का नागरिक अभिनंदन करके उन्हें उस समारोह के दौरान ही 'पंडितराज' की उपाधि प्रदान किए जाने का प्रस्ताव किया। यह सुनकर सभा के कार्यकर्ताओं के सुझाव का विरोध करते हुए वे बोले . 'अरे पंडितों, पांडित्य का मखौल क्यों बना रहे हो, पंडित की उपाधि तो स्वतः ही विशेषणातीत है। इसलिए आप मुझको पंडित ही बना रहने दीजिए।'

फिर वे हँसकर बोले, 'जानते हो 'पंडित' 'महापंडित' बन जाता है तो उसका एक पर्यायवाची वैशाखनंदन 'गधा' बनकर मुस्कराता है व्याकरणाचार्यों के पांडित्य पर।'

और पंडित जी के विनोद में बात आई गई हो गई। वे न तो डाक्टर बने, न 'सर' हुए न ही 'पंडितराज' इस सबसे दूर स्वाभिमान के साथ जीवन भर पांडित्य का गौरव बढ़ाते रहे।

जगदलपुर में नि:शुल्क हृदय रोग जांच शिविर

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी जगदलपुर क्षेत्रीय मुख्यालय में 15 फरवरी 2014 को नि:शुल्क हृदय रोग जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सुमन्ता पाढ़ी एवं डॉ. भक्त बन्धो एवं उनकी टीम द्वारा जगदलपुर क्षेत्र के सौ से अधिक अधिकारियों/कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों का ब्लड प्रेशर, शुगर एवं ई.सी. जी. परीक्षण किया गया इनमें से 35 मरीजों की ईकोकार्डियोग्राफी भी किया गया एवं 2 मरीजों को एन्जीयोग्राफी की जांच करवाने हेतु सलाह दी गई। शिविर के अन्त में समापन समारोह के अवसर पर अपने व्याख्यान में डॉ. सुमन्ता पाढी द्वारा हृदय रोग से बचाव हेतु एक व्याख्यान भी दिया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि अति. मुख्य अभियंता श्री बी.के.मेश्राम थे एवं आभार प्रदर्शन विभागीय औषधालय जगदलपुर के डॉ. एस.एल.कोरटिया वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री डी.के.डुम्भरे कल्याण अधिकारी द्वारा किया गया।

बुद्धि किसी की गुलाम नहीं

एक बार एक देश के सिपाहियों ने शत्रुदेय का एक जासूस पकड़ लिया। जासूस के पास यूं तो कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली, मगर उसके पास स्वादिष्ट प्रतीत हो रहे मिठाइयों का एक डब्बा जरूर मिला। सिपाहियों को मिठाइयों को देख लालच आया। परंतु उन्हें लगा कि कहीं यह जासूस उसमें जहर मिलाकर तो नहीं लाया है। इसकी परीक्षा करने के लिए उन्होंने पहले जासूस को मिठाई खिलाई और जब जासूस ने प्रेम पूर्वक थोड़ी सी मिठाई खा ली तो सिपाहियों ने मिलकर मिठाई का पूरा डिब्बा हजम कर लिया और उस जासूस को जेल में डालने के लिए पकड़ कर ले जाने लगे। इतने में उस जासूस को चक्कर आने लगे। उसकी इस स्थिति को देख कर सिपाहियों के होश उड़ गए। वह जासूस बोला लगता है मिठाइयों में धीमा जहर मिला हुआ था। लगता है खाने के कुछ देर बाद इसका असर होना चालू होता है, और ऐसा कहते कहते वह जासूस जमीन में ढेर हो गया। वह बेहोश हो गया था। सिपाहियों की तो हवा निकल गई। वे जासूस को वहीं छोड़ कर चिकित्सक की तलाश में भाग निकले। इधर जब सभी सिपाही भाग निकले तो जासूस उठ खड़ा हुआ और इस तरह अपने भाग निकलने के मीठे तरीके पर विजयी मुस्कान मारता हुआ वहां से छू-मंतर हो गया।

बच्चे की सीख

बचपन से ही मुझे अध्यापिका बनने तथा बच्चों को मारने का बड़ा शौक था। अभी मैं पाँच साल की ही थी कि छोटे-छोटे बच्चों का स्कूल लगा कर बैठ जाती। उन्हें लिखाती पढ़ाती और जब उन्हें कुछ न आता तो खूब मारती।

मैं बड़ी होकर अध्यापिका बन गई। स्कूल जाने लगी। मैं बहुत प्रसन्न थी कि अब मेरी पढ़ाने और बच्चों को मारने की इच्छा पूरी हो जाएगी। जल्दी ही स्कूल में मैं मारने वाली अध्यापिका के नाम से प्रसिद्ध हो गई।

एक दिन श्रेणी में एक नया बच्चा आया। मैंने बच्चों को सुलेख लिखने के लिए दिया था। बच्चे लिख रहे थे। अचानक ही मेरा ध्यान एक बच्चे पर गया जो उल्टे हाथ से बड़ा ही गंदा हस्तलेख लिख रहा था। मैंने आव देखा न ताव, झट उसके एक चाँटा रसीद कर दिया। और कहा, 'उल्टे हाथ से लिखना तुम्हें किसने सिखाया है और उस पर इतनी गंदी लिखाई!'

इससे पहले कि बच्चा कुछ जवाब दे, मेरा ध्यान उसके सीधे हाथ की ओर गया, जिसे देख कर मैं वहीं खड़ी की खड़ी रह गयी क्यों कि उस बच्चे का दायाँ हाथ था ही नहीं। किसी दुर्घटना में कट गया था।

यह देख कर मेरी आँखों में बरबस ही आँसू आ गए। मैं उस बच्चे के सामने अपना मुँह न उठा सकी। अपनी इस गलती पर मैंने सारी कक्षा के सामने उस बच्चे से माफी माँगी और यह प्रतिज्ञा की कि कभी भी बच्चों को नहीं मारूँगी।

इस घटना ने मुझे ऐसा सबक सिखाया कि मेरा सारा जीवन ही बदल गया।

हमारे गौरव

बी.के.श्रीवास्तव

भिलाई में फरवरी 2014 में आयोजित छत्तीसगढ़ स्तरीय शरीर सौष्ठव प्रतियोगिता में मास्टर-।। वर्ग में कोरबा पश्चिम में कार्यरत संभागीय लेखापाल श्री बी.के.श्रीवास्तव ने प्रथम स्थान अर्जित किया। कोरबा जिले का नाम ऐसे अनेक राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के स्पर्धा में गौरवान्वित करने के लिए श्री श्रीवास्तव को कोरबा के कलेक्टर श्री रजत कुमार ने सम्मानित किया। पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता के अलावा लॉन टेनिस, टेबल टेनिस में भी आपने विद्युत कंपनी की टीम में शामिल होकर अखिल भारतीय विद्युत स्पर्धा में भागीदारी दी है। बधाई...

शशांक कुमार कुर्म

कार्यपालक निदेशक, (वित्त) छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी रायपुर कार्यालय में कार्यरत सहायक श्रेणी-एक श्री ए.के.कुर्म के सुपुत्र चि. शशांक कुमार कुर्म ने आई.ई.एस. 2014 की परीक्षा प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण करते हुए, संपूर्ण देश में विद्युतीय संकाय में 91वीं वरीयता हासिल किया है। बचपन से ही मेधावी श्री शशांक ने एनआईटी. रायपुर से इलेक्ट्रिकल में बी.टेक की डिग्री हासिल की है तथा वर्तमान में आई.आई.एस.सी. बंगलुरू में एम.ई. द्वितीय सेमेस्टर में वे अध्ययनरत है। बधाई...

मो. अम्मान

कु. जूबिया रौशीन

कार्यपालन अभिंयता (संचारण/ संधारण) संभाग बिलासपुर में कार्यरत श्री मो. अब्दुल शाबीर, कार्यालय सहायक श्रेणी-दो के सुपुत्र मो. अम्मान एवं सुपुत्री कु. जूबिया रौशीन का पुणे (महाराष्ट्र) में 59वें राष्ट्रीय शालेय खेलकूद प्रतियोगिता रोलबॉल के लिये चयन किया गया। इन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य की स्कूल टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार खेल का प्रदर्शन किया। बधाई...

श्रीमती किरण लता वैद्य को सारस्वत सम्मान

मुख्य अभियंता (सिविल-वितरण), रायपुर में कार्यरत श्रीमती किरण लता वैद्य को साहित्यिक कृतित्व अप्रतिम लेखन के लिए सारस्वत सम्मान-2014 से विभूषित किया गया है। यह सम्मान उन्हें छत्तीसगढ़ हिन्दी साहित्य मंडल, रायपुर द्वारा आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम में दिया गया। विदित हो कि श्रीमती वैद्य छ.ग. शासन द्वारा श्रम साहित्य विशारद सम्मान 2003, स्व. खूबचंद बघेल सम्मान 2005, छ.ग. अल्पसंख्यक द्वारा साहित्य सृजन सम्मान 2005, जे.एम.डी, प्रकाशन नई दिल्ली द्वारा हिन्दी सेवी सम्मान 2012 एवं राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार-प्रसार सहयोग हेतु विशिष्ट हिन्दी सेवी सम्मान 2013, मानव साहित्य भूषण सम्मानोपाधि 2012, दैनिक भास्कर (मधुरिमा) द्वारा आयोजित कविता प्रतियोगिता 2012 में सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार सहित विभागीय प्रतियोगिताओं में भी कई बार पुरस्कृत हो चुकी है। श्रीमती वैद्य विगत गत 25 वर्षों से आकाशवाणी की अनुमोदित कलाकार है। उनकी कहानी, कविताएं आकाशवाणी के केन्द्रों से प्रसारित होती रही है। दूरदर्शन एवं अनेक राष्ट्रीय मंचों पर काव्य पाठ कर चुकी श्रीमती वैद्य का काव्य संग्रह मन-मंजरी प्रकाशित हो चुका है। बधाई...

।। कुर्यात सदा मंगलम् ।।

डॉ. अदिति संग डॉ. समृद्ध

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कंपनी में उपमहाप्रबंधक (मानव संसाधन) के पद पर कार्यरत श्री डी.डी.पात्रीकर की सुपुत्री सौ.का. डॉ. अदिति का शुभ विवाह श्री शशिकांत गोपाल कुलकर्णी के सुपुत्र चि. डॉ. समृद्ध के संग 27 मार्च 2014 को रायपुर में सानंद सम्पन्न हुआ. बधाई...

हर्ष संग निलिशा

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कम्पनी के मुख्य अभियंता (सिविल) रायपुर में कार्यरत श्रीमती नीता पांडे, कार्यालय सहायक श्रेणी- दो के सुपुत्र चि. हर्ष का शुभ विवाह श्री रमेश अवस्थी की सुपुत्री सौ.का. निलिशा के संग 23 अप्रैल 2014 को रायपुर में सानंद सम्पन्न हुआ. चि. हर्ष कार्यपालक निदेशक (वित्त) में कार्यरत श्री सुरेन्द्र शुक्ला के भांजे हैं. बधाई...

नम्रता संग प्रदीप

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कम्पनी रायपुर में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत सौ.का नम्रता आत्मजा श्री गयन्द सिंह चौहान का शुभ विवाह ट्रांसमिशन कम्पनी रायपुर में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत चि. प्रदीप आत्मज श्री देवीप्रसाद राठौर के संग 08 फरवरी 2014 को रायपुर में सानंद सम्पन्न हुआ. बधाई...

प्रतीक संग रिमझिम

कार्यपालक निदेशक दुर्ग में कार्यालय सहायक श्रेणी-दो के पद पर कार्यरत् श्रीमती माणिक वर्मा एवं श्री शैलेन्द्र कुमार वर्मा के सुपुत्र चि. प्रतीक का शुभ विवाह छुई खदान निवासी श्री राम कुमार दास वैष्णव की सुपुत्री सौ.कां. रिमझिम के संग 24 फरवरी 2014 को छुई खदान में सानंद सम्पन्न हुआ. बधाई...

पुष्कर संग भारती

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कम्पनी रायपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक कार्यालय में पदस्थ कल्याण अधिकारी श्री दीनानाथ वर्मा के सुपुत्र चि. पुष्कर नाथ वर्मा का शुभ विवाह ग्राम निलजा सारागाँव निवासी श्री रामकिशन वर्मा की सुपुत्री सौ.कां. भारती के संग 07 मार्च 2014 को भिलाई में सानंद सम्पन्न हुआ. बधाई...

प्रमाणित किया जाता है कि पत्रिका के मेक, मुद्रण / प्रकाशन आदि गुणवत्ता एवं पत्रिका के अंदर के पृष्ठों में 90 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) और कवर पृष्ठों में 220 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) का उपयोग किया गया है। - मुद्रक

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कंपनी मर्या. इंगनिया, रायपुर, फोन : 0771-2574702, फैक्स : 0771-2574702, website - www.cseb.gov.in